Field Survey Report 2022-2023



Department of Geography Rajganj College Rajganj, Jalpaiguri

735134

5th Semester (CBCS, Program Course)

Session: 2022-2023

Date of Field Survey: 7th November, 2022 to 11th November, 2022

Title: Causes and Impacts of Flood in Jalpaiguri District (Specially in Rajganj Block)

Rajganj is located at 26°33′22″N 88°30′31″E. Rajganj CD block lies in the south-western part of the district. It is situated between the Mahananda River and the Teesta River. The northern portion is part of the central tract locally called Bhaber and the southern portion is a gently sloping alluvial plain locally called Terai. The Rajganj CD block is bounded by the Mal CD block on the north, Jalpaiguri and Kranti CD block on the east, Bangladesh on the south, Siliguri city, and Phansidewa, Matigara and Kurseong CD blocks in Darjeeling district on the west.

The Rajganj CD block has an area of 614.82 km2. It has 1 Panchayat Samity, 12 Gram Panchayats, 220 Gram Sansads (village councils), 29 mouzas, 26 inhabited villages and 3 census towns. Rajganj and Pradhan Nagar police stations serve this block. Headquarters of this CD block is at Rajganj. Gram panchayats of Rajganj block/ panchayat samities are: Binnaguri, Dabgram I, Dabgram II, Fulbari I, Fulbari II, Kukurjan, Majhiali, Mantadari, Panikouri, Sanyashikata, Shikarpur and Sukhani.

Objectives: According to syllabus of Under Graduate 5th semester Program Course (CBCS) given by the University of North Bengal, the Department of Geography Rajganj College organized a field survey. During the field survey following objectives have been taken-

1. To find out Various Causes of flood in the study area.

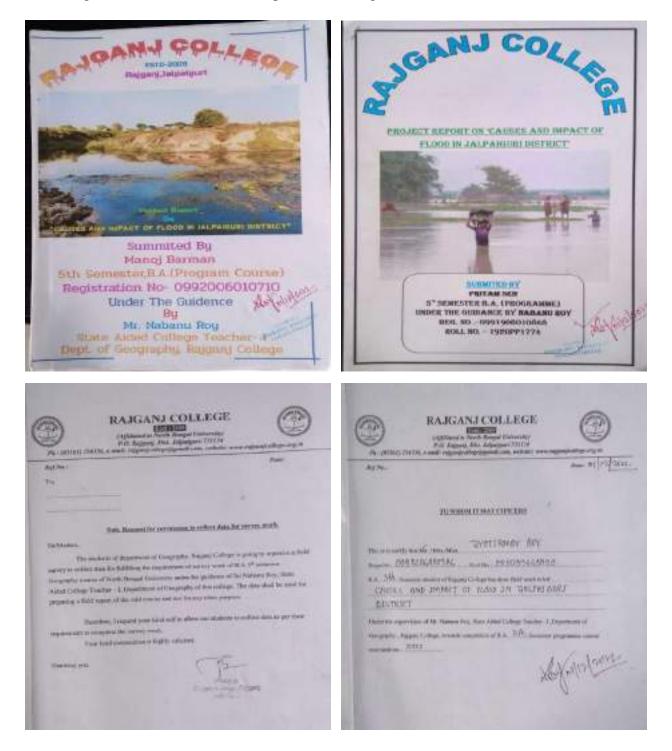
2. To discuss the impact of flood in the study area.

3. To study the different issues related to flood in the study area.

Outcomes:

1. Flood-prone areas may see investments in improved infrastructure, including better drainage systems, flood barriers, and early warning systems of the study area.

- After a flood event, relief efforts are often initiated to provide immediate assistance, including food, shelter, and medical aid. Rehabilitation efforts focus on rebuilding communities and infrastructure.
- 3. Flood events may prompt policymakers to review and update land-use planning, zoning regulations, and environmental policies to mitigate future risks.



GANJ	C	OLL
EST	D-200	OLLEGE
TOTAIGA		
PROJEC	TR	EPORT
	ON	
CAUSES AND IMPACT OF F	LOOD	IN JALPAIGURI DISTRICT
NAME	:	JYOTIRMOY ROY
SUBJECT	:	DSC GEOGRAPHY
SEMESTER	:	5th SEMESTER
ROLL NO	:	2021PP1872
REGISTRATION NO	:	099200601098 6
YEAR	:	2022-2023
		1911 - Staller

Ph.: (03561) 254356, e	(Affiliated to North Bengal University) P.O. Rajganj, Dist Jalpaiguri-735134 mail: rajganjcollege@gmail.com, website: www.rajganjcollege.org.in
Ref No.:	Date: 01 1
	TO WHOM IT MAY CONCERN
	TWATTOMAN ON
This is to certify that Mr.	
Regn.No. 0992006	010986 Roll No. 225039443820
B.A. 5th Semester stu	ident of Rajganj College has done field work titled
CAUSES AND .	IMPACT OF FLOOD IN JALPAIGURI
DISTRICT	
Under the supervision of	Mr. Nabanu Roy, State Aided College Teacher -I ,Department of
	lege, towards completion of B.A. 5th Semester programme course
examination 2022	
	Xloy alistos



RAJGANJ COLLEGE



(Affiliated to North Bengal University) P.O. Rajganj, Dist. Jalpaiguri-735134 Ph.: (03561) 254356, e-mail: rajganjcollege@gmail.com, website: www.rajganjcollege.org.in

Ref No.:

To,

Date:

s.

Sub: Request for permission to collect data for survey work.

Sir/Madam,

The students of department of Geography, Rajganj College is going to organize a field survey to collect data for fulfilling the requirement of survey work of B.A 5th semester Geography course of North Bengal University under the guidance of Sri Nabanu Roy, State Aided College Teacher – I, Department of Geography of this college. The data shall be used for preparing a field report of the said course and not for any other purpose.

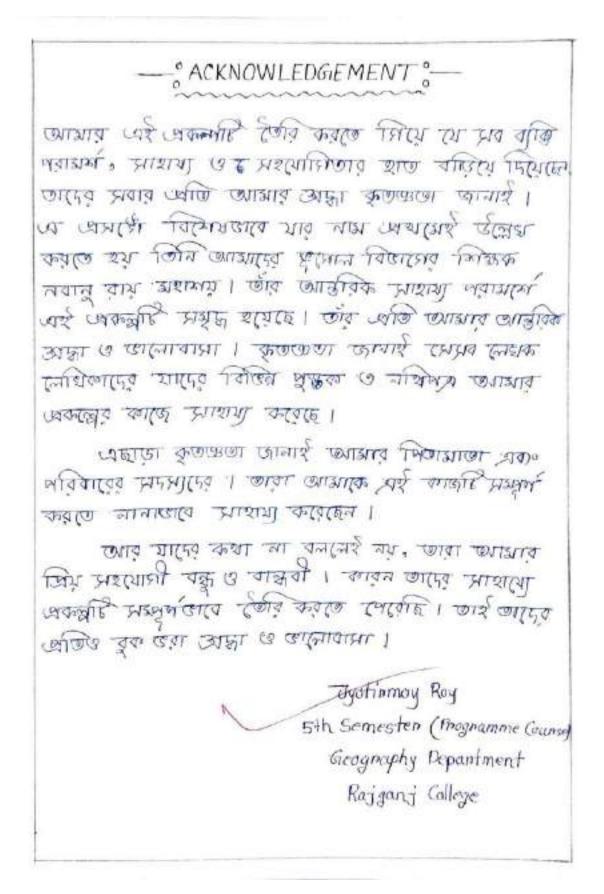
Therefore, I request your kind self to allow our students to collect data as per their requirement to complete the survey work.

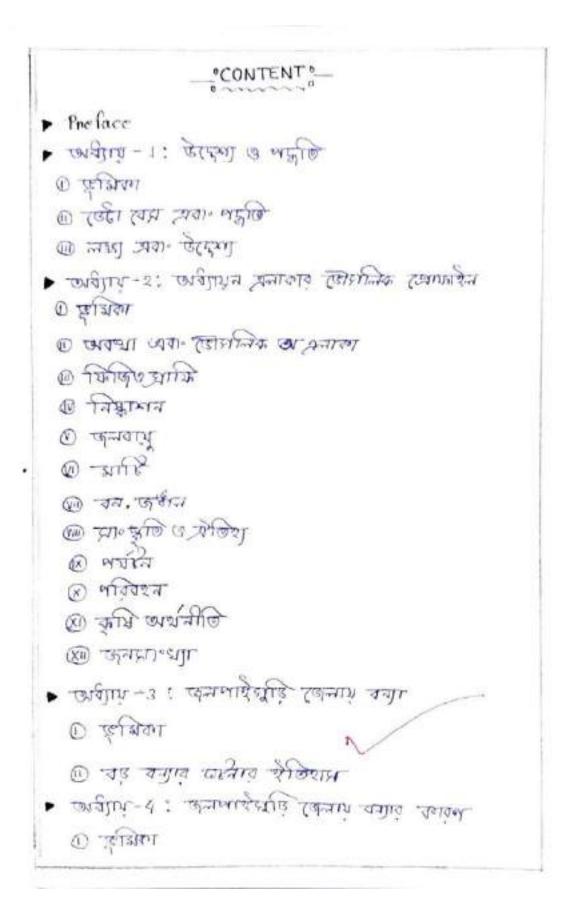
Your kind cooperation is highly solicited.

Thanking you.

+ Ancieal E. gent degi., Pojganj July - am

- PREFACE -(क्वम खरीगमन चला एत्मान नवभएए जकार क्वम । तम तमाना आवीचिक ଓ प्रारुञ्जान्नि सिर्केट्क त्वायाव ज्वा आयापुर्व জান্নিক ও ব্যবহারিক ডোম এব্যোগ কর্তে পারি-। এই-भविकेञ्चना . " कनमार्श्वती (जनाव उनान कावम ७ अणव " झाक्षाक लोकियान '। त्यायवा कामि (य वजा काव्रा क्रमार्थस्त्रीय रुक्राए आए आणि वहरेरे आवार्ग आर्हालेक विभी ि चहि । अस्त प्रधात किंद्र वन्ताव निक्ति कावन त्रवाः প্রত্যন্থ বা পর্বান্ধলেবে চার্দামে প্রেতিফলি হয়। अर्थ अणित्यानीह ६ हि अमाग्र निवलक कवा राशह, पथा-खाहार 1. छारीगान प्रतालात रहिमा त्रा अहारि । अधाग 2. जार्षायम अन्नावणः लोहानिक ट्रायामार्श्न । अधाय 3. जनमार्थद्वीद रकनाय वना । অধ্যিয় 4. জনপাই হারি জেনার বন্যার কারণ । अन्तीमं २. अन्यमाई दीवे रजनाय नमाव त्वमव। অগ্রায় 6. উপদেশ্ছার ।



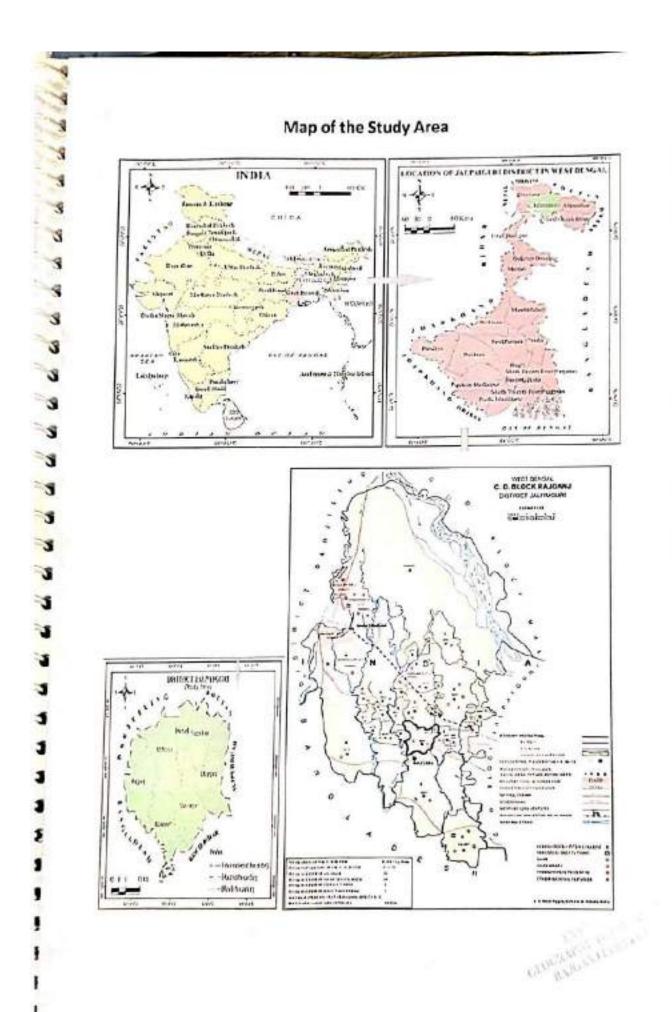


· कार्यभद्भश्व क. चुडमण्यात्री यगवन য়. মধ্যমারণ গ. ব্যায় আহমন यः आवर्यक्ष आहेतिः ৫. বন নির্বন দ্য ফুরিবিদ দ্ধ. ব্ৰুও নগৰায়ন अ. नमीर शालिभग्र धानातुर वा प्रयाजभाव क, डेम जीवण हारीभाछ-क. आडक ७ द्वस साथ नियांग ট. জনসংশত ক্লেয়ামত দ্যান ह, नदी छन्दारास उँछ भन्नि जधार अक्रिग ए. आन्गाना रगरेश • हिलामाकिर भारतिकान • ব্রেনেজ আমজা • निरु वा जनावडु मनाल खारीगाः -5: 'जनमार्थमार्गु जनगाः अवार 1 द्वांडोला ाग्रहा अत्रिक्माइगण्ड ख्राहाव কন্দুর উন্দানে উন্দান : ध. ज्यास्तिग्रात्व -द्राश्य जर्भव -द्र्धातासुर् न. चनज सडमा ७ जीवर्विस्या उनके · कार्या कलान्द्रे प्रेया) क. तामेव छन्दान्ताव खेगान

গ্র. চা বান্দাবে ব্যক্তি না. কৃষিতি দেবাৰ ম. জেয়ি ও সেঃশন্তির জ্ঞান্তি ৬. স্বাম্প্রার উপর প্রেরাক खाधीगरं - ६ : जैनमा॰ शत् Bibliognaphy

_ ওার্যায়-1: উদ্দেশ্য ও পদ্ধতি • हेंख्ववर्ष्डाव चिखालीय अमूब फण्डव । वगवन देखव छान्हर भाषाह व्राप्ति , जनमारेश्वीषे रिवनाय जीववेग्र वृश्वि श्राम आन रियालए मवर्ष त्थाक त्वीहरेंग ज्यामा नमेंध्वीले कुल उर्देश्य । यत्या रूल जलद जेमरा मुदा या प्रावीवमण स्व क्र की अलि निधान्द्रिङ कर्द्र। जलमार्श्वधान एक शान हाल कार्त्तन वन्गार अवदारों नित्रे जिन्ना खात्र खावचा निषेर्यन निहेने । र्षिं राभ धावाः भद्दणिः - "जनमार्श्वादे राजनावा वन्याव लावन ७ खाडाव" जार्थाव छेमन सरे प्वक्रमें प्रान्तिकर्ताह लिनि कनल क्तीव्ला त्याल निणित्र दुप्राकलावि स्माम त्थाक आज्यह कता श्रम्म , राजन रक्ता ज्यामध्यभूभगिवे शाखवूक, निर्वाखिन स्वरणाव छ त्वस्वरणाव व्याखीवात , कार्गात, सा॰ वाम्लम रेणिए। न्यका व्यका केएमा? - खार्वाय माराव नाम प्रका केएमा यन 1 कार्योग्रेंग कार्येस द्यांक कार्येक किंद्र केंद्र केंद्र 1 र्राइक हठा लाहु हाय्या हाहिर साध्याल मगाहिल O • जिथी। मेन समाकां द्वारे द्वित्रास संदेश द्वे के थे।

_ অধ্যায় - 2: অধ্যায়ন এন্যাকার তোলনিক জোচাইন – इत्रियाः - जनामार्थद्वार्ड नाइ जनमार्थ झाह त्थाल त्नाख्या इसिंह वल जाना आहर द्याहरक हमस्वाव वावटा रहा हाह 1900 सात्नव लाखन गिरेक। जनमार्यद्योषु पियान्न सुव भागतत्म अवीष्णि अकीरे जास ७ स्वनुर खूना । यारे स्वर्ग उाड- हा , अर्यहेन प्रवा कार्षित जना मर्तिहरे। जनमार्रम्बाई अअर्युत आत्थ आत्थ छार खार्शकि स्मिन्ध शर्गमे त्रवा त्रधन अ त्याहरू तम, भर्वक , भरा-हा प्रह: अरुजन प्राजियातुन अर्जनि खिझिलिव छन्। एभागर कवाव डाला छाएमा वाहमन कूछि धाछ खूलनाञ्चलकछारा कडा इहिं शावव राजीत्रके चेहुल जननाम्ह्या दीही वगे जागूग्य जार्थलीको रहात्र प्रमार्थप्रीय -एइना नए प्राथीप्रिण कार्णेए इमान्स त्थाक युव व्यानामा । • ভावश्वात अवा रिक्रानिक प्रताका - जार्रायत अनाका जनमार्ह्याएँ, भग्हिभव(भाव अछा)ना छात्रा ज्यावज्ञ राजनार्ध्वन्ते নিয়ে দাঠিত 26°15'47" (থাক 26°59'34" উত্তৰ সৰা- 88°212" (याक 89°7'30" श्रेष जाण्डिमाव्या । येथ जनाही जनात्मा फुडि 3386.18 राष किन्द्री । एक्नाइ रमाह जनमा धुर 238.1596 जन (२०११) । अभिनेयवर्षित रखेखात्राद्य कार्यप्रांत रक्तीहित्र आहर प्रहोतित जाउजीविंग मोधाउ रायह यागे वागे नाहरू प्रधायात्र रेखव अभिहाल अग्रे लालाव सीमारे लागिवेशव भवा आनिष्ठवर्याव भवा भव, माम्हें श्र देवव - भाम्ह्य দ্যাজীর্না প্রান্থায় । (क) र्छखतुरं भाषाय दुष्धात या डेम-श्रिमालय भवर्षधात्मारु until aviour 1 (1) र्डम- वर्ण टकन्द्रीय क्रेर्क , ज्यानीय जात एतन् नादा भोगेरिक ।



(न) फॉकेश खुद्ध हाङ्ग मधज़ाबीक खानीपलाक एकारे बना रूए । भेगोल्कि सामिः जन्मारेपील त्वनाव ग्रमेपिक प्रतिक अर्थानाव आहे. कारकाल निवेषक (क) मार्वां एलपदन, (भ) एनाई एलपहल. CONTRACT REPURCE (TO) लानाव छेखवाभ्या न्यस्टि मार्शाव अभ्यन । नकीमाराय शरे". 'जयुत्री', 'र्डकांआरी' अझूला अर्च त्यनावात् अवीम भाराङ । ८२ काला त्रारे ८२त्माकाय 'किंबा'व आला काह भाराङ त्रधात्मा शयकः । जग्रे ज्यपक्षत्न इल "जिप्रा" तमेव जायात्रकव खाला । खास्ता रम्धाए भाषि हा बात्रि अर्थाय प्यर्थ कताणाव आहि । दार्ड्स उप्राजन कताला व्याप्र प्राडाखन ज्याः कार्यके वी · निम्रामन - जनभारेद्वि एकनाय अर्वात्र@ 278 नमें वृथ्रतः -(क) व्ययमुख नम हमाथी . हा मार्थम नमी खुम । उग्रम्ण नम लामीए अखातमाली नमेखीले उन जिला. जनदाया, दर्गार्था, कर्राषाण, साइ, जन्मधा, जल्म, कराना, भाषा , युख्या रेणुगाद । अम्मादिक द्वारायना ७ २३ उभव्यीद्वत्ति त्रभा चारेव त्यू की युन्तिर प्यवीग नमें । वर्थापु तप्रधात विकाल यह नमीद्वाले हाना अवर्गरण खुलन भावेगाम अवा पकीरे सवारा जाता रम्रद्रीने निर्देश ध्ववगत्रिक श्राक भारत ना क्त भविमाम फल नेमें जीववर्जी अन्यात्माय यन्ता एडा 7535 1 क्रमवायुः - व्याप्रगृ अस्टिग्रवार्थाव स्वविदिए द्वीसे द्विसे व्याप्रगृ छाट्यान । यह सनामाए जागिक इथि गान 455 (भाभि । यकारी वहातुह अवीत जगाम वर्या विष्ठ यालन लाल । मधात आयता निवेदा ज्योंचा केल् जवा स्थय रह्याए सोललका / · अति वर्ष काप्यक्षत आहि भनियारि यात त्वान युग-

ওঁটেন আছি পর্যন্ত বিষ্ণুত । আছি হতে পারে বিষ্ণুতদারে काल्क रूप्ट्रस याह्य (क) - हार्गल्या कोविश्व कृद्धालाहर्ग्रेल जाह आफ्तिक जवार्थरमव् आहि या (ध) तक्ताव खेखक मामत्मरभाव পাহাত ছেতে বাদার্থা বনেও আহি। ততে আহি হয় প্রবানক यात्त्वगाभग ध्यक- जाई कथ जूल दीएल उड्याण भार मिट्रेयुर । छिडा अशनमार अहण भाषािछे नहीं छारा निहि । नहीधरना खाईए णाम्न जेव जेपह भए चेडए भाषात जीत देवर्व असिंद खुर जुआ करा। ध्युर खेखात् छेभावत् खाव्हल झुराभित इाहि (र्थवालय आह , काला (यय) महिल । निम्न प्रधालन होडीय इमीहे चीले स्वी काराआरि पर्छम् खिम्ल मोरिष । • उम/ जश्मन - पहें। चिद्याप कवा हम हा एक जनवाहे हा दिल्लाव नाम "जनमारे" माह थाक अखाह । या छेवतव आवंजू आहन खुए जनाण्डल खडूव भविझात ख्याम । आवृत्र चिलेन भारति जाणहत्वर केम् किं पत कर्मात्वर अर्था गरें अवारिक अन्तर्भात जूनवाना अर्थरेषापन आएमे कान्द्र । किंगु. वनस्त्रि, 179100 रश्तेर जीब जुए भा आहि 27.8% लिमिलि म्यला संखिम स्रवाः स्थानीत् स्रवीधे लाकर्थनीय द्वीहित्यान् व्यावाभन्धान । माह्मात्रा इत खरीम खणाक रिमाल मह हमिहेराम भर्भारी जाया-किरोम्बज । जनसिए मर्यहेन जिमहे हिसारव भविविभाग करता । आजहां भाषात आखगार लगु प्रायम कविविद्या प्रदा दाभणाआदि दगाद्युव जना जलार आजर्थनीय द्विष्टे । वांग तक, उन्हें , दुआय रेजाति जनात्युत्ताक माख्या यापू । जेमा अव- रवाछन् आमियावलय हिवले दिनावे कवा इत आयात प्रका भावत अन्यात्वार्थ । "त्वार्ह प्रदार जायति (अवाय 'वनज भन्म) । मार्श्वाक रागः व्यक्ति - उजधान प्रधाय क्रमार्थधांः किना प्रसिन दर्राप्रानिक प्राधाना निहेन निहित्र ताजना-हान निहन्नप या निग्राम् अवीत्न । शिष्यास्त्र पिणित्र भाव साह मन्द्रमा ।

-26िक रिकेटिब फाणि जवा- खाहद जा- खाली जवर्ष खाँबाए खिल लाह , खानीहे ज्रण्य जानि युग याने जाएर युन्य प्रश्तुने अवाः जीखेरा चेत् दिहाह । सन् निर्धनाम् आन्म, भारादिन ৱিক্তি পর্দার ওপার্ত্ত বা প্রথানে - পেথানে বয়ে যওয়া- স্পোর্জ্যে বার্ত্ तिरामिण ७ मध्र तिणित्र मान्युण त्यद्यन त्वाहिया मान्युणि -राजवाभी आण्ड्रण, त्यापदा - त्याह, राजद, राखाप्र, जानि या ईनाने प्राह्य निम्नु माल्झीले प्रकल त्रेये याधान्ते। र्षपढाणीप मान्द्रणिष विगान्म इस त्याकरणा . त्याक तर्म पारे मान्द्राके अकी आवीसमा आभा ! आतक उंग्रवर्श काकार्ती सवा- छेउर्युव काहिरे प्रविद्वल दाजवाः मी याता जनभारे प्राण्डे जनभाः धातु अकीर वड conor 1 वड़ उड़माव हाएएए 'इमा मुझा' भवा 'कार्सी क्षजा' के आएक, रमधारत मुण्डा द्वीड़ेव भूजा कीवतिव की जिल्ली के अलाधा भूखा या अर्थ एमगेंव भूखा ज्यातिकार घुतुष्ठभूव सई व्ययस्तव क्तिप्रव। जनमार्श्वयुद्धि निष्य द्भगलन त्य इन 'हनन कार्ने'। 'रीअ आब' आर्वनहि जनस्रिए लाक आन जनमार्श्वरावित । आई द्वित्राविक काव्रिक खेलान 'यता अणसूठ' व्याकार्त् विकेले 24 । क्वाइ विश्वया, जिस्था, जन्दना व्यकः मायुर्द्व खनाना র্দ্রদান্তারে কিছু উৎসব। ► अर्घरेन = जनमार्रम्राड़े - निर्माकेश - मर्जिनिन निर्धानय त्रवा त्रव আছি আবম্মিজ সেই দুরু ক্রেন্সনির্ত জুরি দাইজু পশিৱ মবর্গ अग्रमार्थ खाङ्ग्रा ज्या द्वाधानिक का देवायुव खायुक्वी जामियरह चिछा, ट्रणामांव आह्वा माखिमानी नमी चावा रवरम जामा-अयअग्रितिक जिल्ला मालानक कामा क आत्मकक्र आत एम। खनमार्श्वप्रिव नाजा मध्य जाणमा द्युव कथर्र घुँछ भाजम गाठ रारी अपहलिए राग्राम अस्मानाम् । कियु सकी टिवर्वान जर अमेरि हमाधन आवा त्रधनाव दुमाधन कढ़ा जाति । जुषा-र्डमणुरुष अग राजा रार्थमाव न्रहारिय जुन्या- उपाए अभन कवा कार्यात कार्य के कार्य किया किया कार्या के कार्या के कार्य

अतिक भूरात्मा अमिने आहा । देखाने, द्वार्थ , मांथणन त्याना.
गा॰ना॰ - सूर अरणा जाभुमाद्धाला रा रनार्या अर्थाहरू नाह
भाषा कलना कना वना वना मई आहन्द हेमद ज्यादा रा
रकाता हार जन्मे मार राग्या कृषक साम्या कार्य कार्य कार्य कर
विधानम सारिए सर्व विधाय संधुवनाए कथा डे खिंध लगाए
दुव्रमाय द्रार्थ ।
• भविषेत्रत- अगभविषेत्रत्व (अवग्र आह्या क्र नवेल्मा, द्वीरि
लात, मिरि आहो जान- मिरि वाभ यनवियामामि ।
वकियान भावेत्रहानव आवि , त्याकवर आर्यक्रेज यथ आमाग्ना
कि- हाकाद टेगाहि बावहाव करि । होव लावाव टेगाहिव वीरिव
वीरव चारराव खाए डियेहा ।
► कृषि आर्थनीछि:- अर्थाय का आग्रिल्मन अत्रि 26.32% हाथी .
22.45% रूगे उपाझेका लागुआ आए (क्वारित्वर कना 80. 19% राग-
रहम कुमवादि जागा 15.21% जाक रश्कीराव काम लाम कार्य मधा
कार्थ दुवार्खन द्राष्ट्र जामण्डत यन्त्र ३.२४ दर हेन् । जनमाधा इस्हिन्
कारल इसक त्यवा अग्निक एत त्रया खुवाल इन्हि । यला ला भ भाषाई
कृषिष फेब्रएन रायहा जाह्य खावेला का दुक्काव काथ कवा देए ।
भाषव ७४३म २८२०२२ मालय जामधन्त्रभाषि छाद्रभाव जनमाई- • जनमान- 2011 मालय जामधन्त्रभाषि छाद्रभाव जनमाई-
CITY JULY GIVE GE GOD THE STA
The second with the second sec
राजनाव जनप्रमाणाः जन वास्नित । 2001-2011 पर्लाव यव जन्मनाधार वृद्धिः जन वास्नित । 2001-2011 पर्लाव यव जन्मनाधार वृद्धिः
खन जाम्मना 1 2001 जनमारीपुरिषि टम्स जारह आहे 1000 शत्र हिल 33.77% । खन्मभारीपुरिषि टम्स जारह आहे 1000
পুর্মের জন্য এ54 জন কল্পিয়ে আনুদাতে. এবা নাহতেতার-
219 79.79% I
जलमार्थन्त्राष्ट्र दुक्लाव जनमाण्डगाव माण्डगामात्रिक जान्या
जलभाषम्याः दिल्लाः कित राजनित वियुदा । किणिय किलार दरख्य येथ रून र्शननाथ,

खानग साध्यानय स्डथमारम् कथा खायान् इत्त्री न्दर्स्त द्रमार्थाः आद्याभानिः "विद्ययीः भाष्क्षावीः हेर्द्रः द्रूखाः अवन्ति साथा हाउगाव व्यया जिर्यक्रणाह्यव जगावा हुववळीलाव प्राहमकिल, ध्वाग 25000 ल्लाकड़ दावा कथ्य । 2011 স্মানির আদমসম্মারি অর্সারে . জনসাংঘ্রা 6637 anom, 14.43% ATTATA, 6.75% Nepali, 4.29% Hindi, 2.87% Rajbongshi and 2.05%. Kunukh as their first kunyuage.

ध्वर्व क्रीण्मघाखाव प्रांखे काव । नमीग्रस्ति वात् चन खर्धल र्जबान कवा वास्ति व्रज डाएग हालाद्यलि लविम्राव कवा व्ययहि , ज्ञामग्रिक लावाहि हात्मव ख्लीय दावमाम् बााव्छ व्ययहि । यन्नप्रदल, दावी

रिश्व- विद्यानम् मस्ति १९२१ शिवानम् मत्ता हिन् न्यतः श्वाक द्वाति नग्न म्यान् । छम् । छम् द्वाति म्यान् द्वाति द्वाति द्वाति क्र प्राहा जिन्हा म्यान् प्राहा क्रिंग् हिन्द्र म्यान् प्राहा क्रिंग् जन्नाभाष्ट्र प्राहा होगाः क्रम्य क्रम्यान् प्राहा खार्ल्ड्रिक क्रान्युय्य । छाल्क्र्यान् क्रिंग् क्रम्यान् क्रिंग् यान्युद्वान् क्र क्रिंग्याय प्राहा क्रिंग् क्रम्यान् क्रिंग् न्यान्य क्राप्त् प्राह्य प्राहा क्रम्यान् क्रिंग् न्यान्य क्राप्त्र क्राय्य क्रिंग्याय प्राहा क्रम्यान् क्राप्त् क्राय्य म्याप्त् क्रिंग्याय प्राहा क्रम्यान्य प्रात्ते क्राय्य प्रात्न क्राय्य क्राप्त्र क्रिंग्याय प्राप्त्र क्राय्य प्रात्ते क्राय्य ।

• अर्पागर-3: जलमाईद्वाहि जिलाग रगाः • • इसिंग: - आगव शैण्डिराम खाढ़. वन्गा जाव लाटगुव जाभ्या जावा चोण्यकलाव जग्याहण्डनणा श्रद्धि थ्यवः वृष्टणडा क्रि-एयव काल ज्याज ज्याताहचा कवा श्रप्तहः जारतव प्रसुवण्च, प्रमुव काल ज्याज जाताहचा कवा श्रप्तहः जारतव प्रसुवण्च, प्रमुव भाषेत्वम प्राइण्डिक ज्यादी प्रावहारू नाहकीग्रं विश्वभूष्या त्रक भाषेत्वम प्राइण्डिक ज्यादी जिहुक महिन् भवाः व्याय्य्य्य् भाषेत्वम प्राइण्डिक ज्याहीव निहुक महिन् भवाः ज्याद्वाय् भाषेत्वम प्राइण्डिक ज्याहीव जिहुक महिन् भवाः ज्याद्वाय् ज्याद्याविक दिम्हास् जिल्याये जग्री द्वाये राज्या ज्याहत्व कव्राण ' चन्गादन प्रान्धायिक कवा द्वावे ज्यादा ज्याहा कव्रावी चिछि । दही (1956) चन्यात्वन प्रान्धायिक कत्व श्रकी ख्याय्य्य्यं चन्या स्टी (1956) चन्यात्वन प्रां प्राव्यिक कत्व श्रकी ख्याव्याविक दिम्हास्था प्राट्या व्याहिक प्राट्या ज्याद्वाविक ज्यादम्ब कवा चेटिछ । दही (1956) चन्यात्वन प्रा प्याद्याविक ज्याद श्रकी ख्याव्याद्यात्व कत्व वान-ज्यम प्रायहायिक ज्या वाढिल ज्यादम्ब ख्याव्याद्वीर्खा - कत्व वान-ज्यम प्रायहायिक ज्या वाढ्या प्राह्य काढी या - ज्यावाव्याय या याद्याद्वीक ज्या या राव्यांव्यां क्रि. या ज्यावाये ज्यात्राक्ष्या या वाढ्या व्याय्य्य क्रिया काढ्या जीवा या - ज्यावाव्याण निक्राद्धिक यय्य ना ।

भग्रम त्रवाः यानीष्ठण दाश्चिभाणः व्यासम्भ एहायवेदावः काव्ला विषेत्र भवित्राम भविषयन 'एय 'नमीए भन्नि। एकाछा, मार्यु माएक उ द्वस स्वरू . चर्माद्वीर्स् आभागामि छारत प्रधायर्थन्त्री खद्यपूर्णने चिछा प्रगति किंगा के कार्यात कि कार्या के लाय व्यात्वालन ज्याह्तव जावाह्यां नही जार वार्याय नहि लया लये साथ के कि का का का का 1 . 210 की क नहीन्त्रत्रिय आहेर्द्रस्ति होर्ग्राज प्रहीं हेण लगा। त्रई विवृत्व मा कार्य माहाक राष्ट्रा कार्य कार्य कार्य प्रमाय प्रकार स्वाए डेम्स महा जाहत कर खाग्मारे यूव खावल यर्द्राम करन खरूगन रमङ आत्रां न्या के या हुए कार्यन उडी के कि 1 • वर्ष बनार शिल्शाम - जम दिआनम् नमीम्त्रिय जनार यवा-वन्गा- खर्गाहेल चिवल्य प्राइशनिक की रिया होक ती राग्रत, रवालरे, 1772! द्ररागमन - शार्ग्रान्टेन, 1810; एगम अए, 1947; भाषा मार्थेन, 1770-79; शान्दीर, 1787 म्रायुर, -रेणामि आमार्था (यता आकर्भनीयू) "द्वकर्ड शिक जाना याम ता 1 787, अर्घत चिन्छा नही ଓ कत्रावामा सकर्थ नही था ज्यायार्थ-भूनर्खा चरम् नार्भाग व्यवगिष्ठ चर्षाहेन् । त्रिः हर्कहोनिक कार्यकलात्षिय साथ जिल्लि उम्ह जीवण द्विष्ठिलां कार्यल স্লান্সা-বন্যা ব্যাপক জোকাতে বিরেণ করে নদার জ্ঞানাস্তর। देवनर्षपुर मूलवाडिरे ख्याकथिक जिन्ने प्रमार्थिक हेन-भर्षके 'विद्य' प्रक्रिय 'द्रास' खर्ह 'यता' लिखा कर्व (आया' यभीक चिद्यासिक कार जाय !

्ट्यार्य)ाय-4 : जलमार्यप्रशिष्ट रजलाय वगुख काल्म - इत्रिका - जनमार्थद्वाङ (जना नदी जावधात नकार निर्वेष्ट लाहेकाएक मारा उाद्य मा जाविमार्ग्य जही छातुहुर आयुष्णास्त्रिक खर्माचेर जना एण्णुड क्रागण वत्न चात कवा एम । त्याहो loose fury of floods san gran an Taxing anon corecas द्रायान्। रणार्भ ज्यायाखर त्रयाः रवसन्ति । वसन् इर्य्याय राजाव राजाव आनूम । एवारे(मून खामिगा-भा नमी अ छुयाम रियालम दशक को मार देवा राक देवत का के मार्ट्स मित त्थाक प्यावम कार् सक- अवगेके इम माझे त्याक मेझेन व्हर्व किर्वा । इन्हें खंबान नमें आदी भाषीरं नार्वात जारेन - यही 30 सिन्दी रथात जाशां राध्यवर्ध रणामां - जलाहातग ७ प्राह्य ने राष्ट्राक । राणघात्म नहीं स्वार्थ आण्याङ (अर्थ वर्डमत राष्ट्राय खानक नहीं व नद- चर्माव खायर भकरे आहा वना 24 1 (प्रकृत्रि छार जातन प्रकर निमाल सीर हिने करन् 1 अर्थ नामीद्वात्नेय जलाधार प्रताहा रवमिय्टाप्राष्ट्रे चत देवाए त्रवा द्याएं भविम्नाव कवा रएएक जनम्त्रील राषीले, कृथि प्राञ्च प्रावालव जागु गुवराव कवा शएकि। वृद्धावाम् र्याहार प्राह्णायाम लाहारिक लाहारिक हाल्यु क्रमीय लहा हिंछ स्तर 1 खोर्क छण्डाह दियासहाय सीम्ल वृश्चिमाछ, ज्यासा धा इधिवेद्राव काव्य नविद्यन नविद्यान भविवश्य इयं जमीव भन्ति। अर्थ विवृत्यवं इत्यार्थमुवः रवाम्ये-एाझई देवजानिकेलाव नहीं केरा कवा इस्ति भयाभय (वणिव्यास्त्रक वाक्या ध्वक स्मय्ति जादव आख्या. मञ्चामात्रालन् जायाप्राद् होगाः द्वाराष्ट्र महे आए-आई नमीदानिए जगव्य रगम भात्र रणहा रगव ।

1972, 1980 400. 1998 71770 071 1 2 हार्ष:- मधुहारण अधिरगड़, विरमधारिरगढ़, वनक भलार कन हाए । रनाम कार्य ईजामि हमान अवा नाषा रथल जावा अवियल्डि इग्। चन खीवेरान अरे देवरनव खायिकाव खीवाव. ज़ाखुव खाहिवासीया खाहि रागेंग यगड जग हावूंण उ आरव्या जाएन जावारी आधिमाव । अलावलाणि त्यव आवनानि राहीय क्तामाय अर्थ रेग्लन खाराय शाल भानि "निःझ्वभ व्या. एसाइन्गास आवारिव जीवेमान होई लाग वगान्दान (यहात्र जवाफि लसूर जान्या जानक र्वाके द्वायात लाग्रेली कार्यक जीव इत्यं उक्त देव दालगा का मार्ग अंग जेश मेर हो

a अल्पार्ग कार्य - चमार उल्लापारी लाकात्राजिने आर्य त्रिति. उल्लाहर लाग कार्य कार्य के कार्य के कार्य के किला के किलागा। -त्वर्गा (ध्वर्गाम कर्षे १४ 1906, 1968 (2 1993 मालिय जना) पार्कीनो दा छेड छाँद्रहात छावित्राय द्रार्थभग्हत जन्त्र यहिस्ति धका क्रिकिश किशानय । एगरी प्रका खावरेग र्वारेमाएव जाव्याय वर्ण आत्मावव जनावम्छा प्राये इरिएह (Ad) GARTERIE (GATE 1902. 1906. 1950, 1952, 1968,

কারগদায়ুহ •

सार्विकला(व (जलाम वताव जातक वालग न(म्रीह ! न्नग्रन्त 'विमाल 'चमान समि 'कात 'छार्वायन यातावपत' खान्धा । किंदू वगवन खावल्कु किंदिन खातिव चमान अला-अव- लामियवर्षा किंख कार्यकी कार्य खाछा आगरीय या एक्रमाग खर्वान जनलाईद्याङ् । या बाहल जनलाईद्रांडे खनाए बना इय (महाने कन -

भा खायक्रम चिम्रायात्र हाईएमनलिकान खावधाव खावीत म्डडलाव साहा त्नाड भविषण्य । विकाय कहत् धानावग मामुहम्मीय कार्यास्त्रव गरीव ।

राक्त अया अर्थान हताप्राहनने केवी जनायमुका नएएक माध्रमाए भएएक जनभारेद्याने त्वनानं नदीधला । O चतन् आहतः का विहासाव आई आकाल किर्माहे आहत निष्मुलव आह्वभौतन तरण्हा रमधन, आन, एखदात्व प्राकृत्विक भूमजंधाक छेडमारिक करा रेजामि। अपि (र्वप्रावेणाडाई करा हार के किर्देश के माह के माह प्रकार के के कि के के कि के के कि कत्रा । यगर्ड, माछार् निहोर्वे प्रतीवृत्ता हाम कर्त् यगः आई द्वार्व झाएका 'जना 'यकार' भारतेगरी ज्यात हेलाने कान हाना प्रायत । यार्थशक, व्यक्तिग्रेडि कवात्रत विषद्द भावेभून - या कार्या के दिन्दी के कार्या है। या कार्या के कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या खावा आहिए उहाि रगुव : 2010 खाव: भव खाव केंडपादनमानिन (य चा - (भो जेवडा सुनक इड्र आजा का नहीं; जालतिक शरी (प्रान जिमान चन जलारी (वृव काजकर किम्पेड २५ महु । कत् मिद्धार्रव जग चानेकार्रालेव वृष्ठ (क्रन माव्याम् आर्थान) . इसीतन नाशाङ जात्माआर्थी खेलालालन काल नहीन जाहत्न जाञ्चन मार्वेड्वन जास जनमार्रह्याई (जना। अए हिरिक जड़ा युवा जामकवात काले उ है।- प्रायत्मा क्रमा लक्ष्य कहा यास्त वर आज्ञीले इम्मीक्ष्य । अएक कृमि ७ दालीम द्रामाए आहे द्राल हा दें भारतमीनजा अये भार्म्स अलालाग वमवानलाती आबुयहर डेमर् हेन्द्र मेर विद्वम अलाव तरम्हा । जुम्मा जम्मनी स्रलाला सई सम्भाग स्वहार (जीने उप्राणिद्वान चाय् ए जाय मार्या द्वाने भारती आल्यामाना-नकामादा प्रजारमा । @ वन निर्धन: तम निर्धमु त्वम किंगू भारत्यभागण व्यवाव वृत्याहा त्याया वायु द्रथल, आहि द्रथन । क्लगायु लविर्णन अगा आहि राम रेखार्गान जग्ना जान का रहे हुए !

प्राध्वणिक पारव्यानिए नहीं जाववान्त्रिमात् केलातन् अवा नीहन् यानामाहण चल देखाल । कृषि खोछी, या वाहारव, उनलक मर्थ, ्यानथ . जूल भाषातु स्थावेत्मार्टांच वा वझीले 'वेत्मुगिरते सम्रत लिखिया . माहि छाए . दान नावला , २वा- छेपटूव्व समिति छा? लनाव रवराष्ट्रायीय यहीव देवी कामराय सनामा, आ - minutations wante and the wante contraction and and यदीमार्ट वर् उधारणहरू भन्नि जाख सवा जीव बना एकनार्ग इत्यान्ता । त्यत्रे दिवलविष्यां का देखाएँ आहीयन युव्याकात कावायुरः व दशवारिक करते। ि स्वाधेवेम - लायाखुव जिलातुव जन्मात्रविद्वाले क्षथिपान जयाशीत इस् भा भाषार जायमास वाहा I how water भानिय भारत्याता ! कार्य एक मार्थ मार्थ किर्मालन उपयोधान जानन का प्रहरू अक्तामार्जीवा याभिके सिम्झावृह्या लाविद्वस् प्रक वाखा धाला वाखाव कर्मा त्नागढ आहेड मधामा प्रभुधीन । अलम्बन अभूमायत्मय सामिरिश 'डावा अवदाय नेरेश्वानायुव वाला ववावव ษาซ์ธรรภ์สิ เชโล เปลุ่มกุลอุ เหยมา เปกลุ่มกิลจ อเลู่มกล भववातार चावता माहि भारे देवन द्यांक आवमान जाशा राष्ट्राह. प्रमित्र महाक अलाकाए आभाष्य द्वांधेवेभ कार्य ता तामा प्रसाद जानुभावः यारे द याता । भनिष्या गढ, यकारे जाहबी कहा हाए लाए डेलाइट प्रहा जाला हाब महि आकार राजाय के मार्यक स्वामास्य कार्यक रिक्ति कि ज्यान्द्रय यह अलामीव वनाजवन वर्षीहालाव विवन । यहे न्यावृत्व होतुत्रहाण पुणाप्रिक हार्यत त्रयाः छात्रिकस्य अप्रभूत कार , जिलावूव ज्याभाग ज्याहरभन् , जाव रवभा जात्ये । ि युव नगरा प्रत : रहतमारे कि लिनाय पूछ नगराप्रतव कारित्या जा जा आहा दाकर । कामाभाके के देखेंद्र יסודה לבועותי יוסה, ביותי היוזוויה 'דוהה בהקובווטי

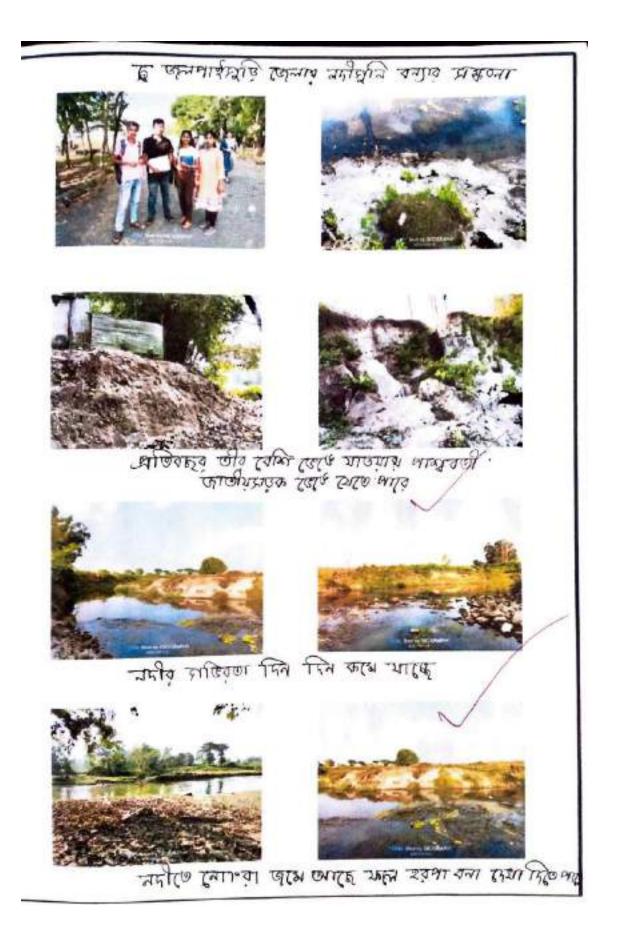
खिलाव साथ जालणाव मुक्त रम्भामामव जगाम नाम्याएम । स्वासीतजाव लव त्याक अ रजनाम गामक खार्झाका जारिह ব্যাগ্লাদেশ। এটি জেনার ব্রুত নগরায়নের জন্য স্থানেও প্লেব্রুত ধুন্ধ আবন। এর সাহরদ্বনি জেনাস্টি জনসাইদ্র্যাই, রাষ্ট্রাহ্রারির याला द्युव काहालकि खात्राचेका । इमार्ड्साड़े, आजाताले, वॉवमाड़ा नामाए । आत्रवाडार , हाझिआरा क्रम्ये कर्गल, जामग्राषाही इनम्देन कर्तु , Gidenkala इनम्देन कर्तु , विवाम् हि , बामार्त्रियार জড়গাঁও ও আনিখুরম্যার ইস্তাদি স্মর্ষ্ণেশ বাারণ ভ্রয়ার্দ खाखात लयहतन् तिताल द्रास्तना । अर्र चडातायुग अक्रिया -বঙ় ত্থাৰণতে 'ৰম উদ্ধোনের 'দিকৈ পরিচানিত 'ৰুত্ব কাবুৰ 'বনতুৱি त्वस्थल कवा जरएता "आहरणव छावा या soi ज्याखि अभ इन्हि। गुरुक हेराम घामू ग्रहास गुलासामा स्वार एरह का गिर माइम्रा छेर प्राचित . जानूस वनारु प्रअक्षेत्रे ७ प्रथम दुच्वाय कार्व ज्याखाविक बन्ताय भनिमिति नाखुक इर्य भए । (8) नमीय जाविषथ ज्यावाढर - अहरे (जनाय प्रावर्षा देलध) (भाषा) चिमाछि । Avalsion सागरे भाषाएम भाषाइ हाता. भाषणा याग् जनभाषेत्रीषे रजनाः इग्राम यनाता । Avalsion ना न्यूर्वेभाव ज्यूर्ण्य अक्लिये वगा किंव कारण र्छत्त्रधाशाङात् (जनाव बना भविषिति प्रया बना विषय defoliates. न्यीर ज्यामाउर जनमाईघाड़े टजनार त्याप्रधने अगम्भारे जहीव अज्ञानकार छव दाझवे राग्याल । जाहल माम्हामे खात्राहतम् नहीद्दतिव भाष्यीम् नाववांच ड्यूवई रहाह यागः नर्राइत्रिक संस्त्रिं करूत दूबर झालाको व्यानाउन् । त्तर-चरीव चातवा छ ने परिष्ठ र गा चार्वाचे का द्रिकत भवाः जात्रा दिस् बना सवाः विभयत्यूव देख आसाव । चिछा-नभी, खन्माला - आग्ताभा तामा यता खाना खाना खातन ने कार्जीक कार्य द्यात्म करने कार्यात ।

े उद्ध जीव्रण रुक्तिमाछ - जनमाईद्वारि (जनाव नगा मन प्राह्म कार्य कार्य के के के कार्य के के के कि के क आकान्त्रिक स्वार्थ वर्षा एक नार के नार भारे किर स्रि इय । अकृषि जगा अवीगज आकष्यिक वना इय । ज्यवर्ग "सञ्च ज्यादेगु दाय विद्यावन का प्रवाधिक वृश्विभाण नौधीमने चीतुः 'एवनाय 'वर्गा भार्गेचील्वे ज्यवमीले राष्ट्र । वन्याव रेजिशाम लाना छेर जीवना वृष्टिभाष ता र्घाण विक्रिशावन कार्यन रकान भविक्षाव विवना रहम जन खिलार यु चनाव लाहत प्वर्धान कार्वन । 1922 प्राह्मव वना दानिकार दुस्लिएण्ड काव्रा अक प्रसाह जाकतिते र्यार्थणाएण्ड प्याम 10 ज्यून किन । 1954 साह्य खर्वान रागा, 1968, 1993, 1993 जरा॰ 2000 उमरे एक्लाइम छानुन निविष् इसिलाएक कावल यह । अकी कारन । प्रद्र प्रज़क ७ रवन रमज़ । नहीं चुनिने मात्राणात्रि जार्युव म्यार्थनकावी खश्चमूत्रि विख्ल । भवस्रभग्न गविरवहना कुंग इन्न वाबी नभौम्ननिव आकृण्डि स्ताए स्नाह्त्वरू आहर्षल खाण्ड कर्रास्त । अर्थ आग्रेडे कार्ग द्वयुव चौद स्रवा धव डारीह्य खलिछ जया। अन आहेरितारे - आ कोन दीए दीए नमी यह दन्दनन मा॰ रवगहत, कडाता कडाता रहेमार हेमाइ सन enlanglement आहित कायल जगाव निकाल खवाए पाह. आग्रे यह জেন্ধাব বহুদ্যম ব্যাভিকর দেই আনুমের বর্মাত প্রবান কৃমি জার্ম। @ जनमाराषु क्रामण म्यन - यनष्डि ध्वक. चगाव प्रश्वि अधीरता दुक्ताय द्वाकिष्ट्रभ अत्याकार्यात्वे विषात्र मध्य जन-माध्या इमिर कार्रा दिने दिन जनाएं आवसन वालक

ব্যয়গতি হয়। উরয়ন উদ্দেশ্য । তেবেকাচিন্যোদতে ভাগিইয়া, मर्ग्रेन प्रवा प्राणिवद्या ऐस्ट्रिम् विमाल प्रधल लग्धा फवा মায়। বনর্ছারা বেদঘন আছির অবন্থার অবর্বাত ভাওন वया वर्ष जातगढ्व देवा प्रायुहाम खवार त्रवा वलाव प्रायं प्रायं मधारा नमील सीआवड कति छान्छतित अवार । कथाता . কথনো বর্ধাকানে স্বাত্তাকিক সাবের কার্তাল বন্য হয় नमीध्या जनयमानिक 'वार्षाछाठ करता वा वरा- जन्माने खाहारिक नहीं खवायत याण्डल केवह । (1) महीव एलसहल देख भाने जमाव (अविया - वारवा अध्रियन Warmin Misis, आम्दिलाइ आहाड, भन्मिमाधा त्रवा-निड्यम प्रायप्राभे । जारे द्वारे खान्युक्त द्वारात्र नदीर्घात्रे जाराषुढुव দাতিপথ থেকে সেয়াহুন্মিত একান কর্চে, তাই সমস্ত नमीए ध्याइव भारत्रिमाल भन्नि त्रया छान्मना निहाया आअझी जभा द्रम दुक्रमा ख्याम्रज़ा दुवामित्वरामाई जानि थ नमीत् उन्दर्स इमिर यहन नमें जडीवजा द्वाप मार पा लाभ পর্যন্ত অধীমত বর্ধায় উদ্ধ সাবের সময় নাগর ভীরে क्तिहैक लएए । स्रोप्तय यहे भनि लिगिवे अप्रिमाहि यहे खालहत्वनुः ह्यूव द्वावानुग जूवः खालाचिक अन्निम कार्ज़भ - रवीमोग्लामा चारी म्रासा वार्ष राजनाव माध्राधी (विवास कार) माअलन इत्रिए एगामान पन माणिएमा नम- नमी आहाक क्नाइ क्य राह के हेलुकिक म्फारम दिला हाह हार हार के काह काव्ल किमान जाताव दीवन काव त्याते जाता के मन्ने আয়ই পাওয়া মায় এবা কর্মের কগ্রনও উপয়ে জাংমে इत्रिविभ २२ वगाराक्ष अधिवति रेपकर्णा रिमान प्यवाद निरुष आद्म अग द्राई उपकलाद्यक्तिल कधान কর্মনাও ব্লেক করে দেয় ব্যারির ব্রান্ত দ্র্যাদেন । পিফ छिप्रदार्ख्य ज्याय यांचे रहार्थ द्वार्थ स्वाय राव्या हार्ययाखा वगा।

क्रिंग्रिंश खार्थे हो। दिया हो हिंही कराया के राजा में नमेव माछिषथ छावतूझ रए षाइरह मारान जवा चर्मत উদ্ধতা হাঁদ্র, বেশির্তাম নদাই তিম্পুর্ বহন অর্তু खार्षीयुन क्रनारणय प्रार्थाम् भनन प्रवाह क्रता हुएतन खागा सकार लय झुँछ त्वन करन यान कान्न सकार त्रष्टन स्रत्नास (यहार भारता कार्या कर्याति हाया। @ छानाग गाएग:- O हीना झाफिक भारतिषिणि (1) मुझानाडा ग्रमझाडा (1) দ্রা-বাদপতে তালপাই দুরির বিতিম ভাবর অবশস্থিত হয়ে দে 1. रे(तात्रीक टोर्एअस, जुलारे 01,2015, अफिटेडाव(शेव जनमारे म्रूडि राजलाम जगाम उहां छेट्रास 800 माव्य ' 2. একজন 'নিউজয়্যান ; 11 আদাদ 2017 ভাবিরায় হৃমির ফলে উত্তর্বার্গে বন্যার আত্তা পরিম্পিতি: 40000 হতিয়ন্ত 3. इतिया निषेक, 18 जुनाई, 2012, अभिकेंग्रव शिव लिमहि उखगण्डनीय राजना जनमार्थप्राड़ि, मार्जनिः अगः रलहारिश्व 80000 - यव रवीम आयम बनाम खार्ड्रा र रम्ता । 4. ईतिया निविक, 26 जुनारे. 2016, भरिष्ठेयवर्षित् जिनिहे र्जनाम चमान भागिए सारिए रखमाव कावल आय 58000 जम लाल 150 कि प्राह्म आला का हा 2008 काल राजनंबान मान हाकार जाग्रियोगमान सार्वज्या । माहरक जमाहास्य छाहक 5. क्विक्रि हार्ड्यान. 10 क्रूगई. 2020, - जिस नहीं ? 200 अग्रालाह, इचिटि जलमाईद्रीद्रि वगुर.

भनि एणलाव प्रक्रिया किंद्र या भनिव काग मायी महीव





०ण्भर्याभ-५: जन्मभारेधीई रजनाम वनुगव खणव - इत्रिका:- एत्रिकेल जवा वन्ता उम- रश्कीनाम् अवश्विक उछव्यार्थाव अर्वाम महाम्या अन्तारण अरे मनारणपू अश्वार्डाविक क्रीयेमालुव काव्रा झांग्रेरीप्रव काव्रा वह - वेव्रान् प्रेव चिल्म्यर्थ च्हिल् लार्वांश याव डावे। चिर्य अवान नदील्ला जार्दव जानिमथ अयम्यन करन्। अर्थ चाहेद्राता आतिक जावीव ज्यवर झाल्कौन । प्यक्रीले जरब किता द्वावा । यह हारब आहंक हिंदी मही सही एससे हेर्डि आर बहुराई कल जमव नमें दियां ७ इनि आहां शिक्त हा हिनार राहि चन चन प्रमार इति ज्यानातन रगवृत्न तिमन भावेशाल त्याल समीए दनस लाखा अरेपाल, नीहन नामाहन नमीद एल भीने । यह द्वीये आजन 'किंबु 'प्रथम स्थयन आचा जामुभाग जामामी इन महेन करन छात्नलन खूनमथूल प्रम्युनांतुरम लावर्ड कुर । साथ मर्थे अभव इकि लानतन काहल वांधीर निर्वारे छानिए गाए, वगुर जीवका आतकाक कावित रहे वाठ वाठ. आहंद साथ साथ-अन्धायी उद्दर प्राण्डेण जल तक वाहार युक्ति आहाय-त्रदीय छवाष्यस्य जन्म । केमरवव छ्यात ननीम्नर्या सत्रू लिविधाण मिरम अवारिण रम उँछ दुवल करन करन्। माइ हिए, नदी भूति 'रिमार कार 'रिकार' करता कर खान्दिर्ध जान खना का वना के राम कार्यना कहा कार मार । जनमान्धा र्याझे आहा माल त्यामार्याझ यावधाव-উন্নতি হয়েছে ক্রেয়াগত বনড়ারি দঘন। এ চাড়া ব্যাপক शार उन खेखाए शर्म हा धाएँग हाल हास । नार्वा मि मधून जानिए दिए धार्ग इत्र यन देंडवादिक निमासन हात्न रहरेन आनाव रहे रही जान सार हरित कार दाही जाए।

राधात्म नभी चाहि खवाहिए ज्य जहे उगहिए आस्ताहन सवा-इनि क्यानेक एम इनिये जनामा खाम चानव उहाकि तारी का । केर मंह में केस हाहाल गासदान कारताय में हेक ज्ञूनावान क्रीमे फीम रादम जाउमा अवा अपिक 7 फा. वाहमन, उदाडा प्रवा भाषत आई आप अवगर निर्वार्थ भाषत खना राष्ट्र हर्गे कार्य या न्या भाषायेव हरे के त्याहा वर्गनेव किराज खायानक अर्थ खेवलव खायेक मेखक कालवर हाक मिलाराभ्य एस्रान्ट हारे स्वाग्र रवेयवर्ति खाळ्या होर्डकेवेव, आसारणियं रेडरे लाव्यविं च्या त्रधाले भूर्य- मस्तिहा उत्तरात्र खात्रक वालि आ भाष प्रारथ खामाराइक माश्वानकारी खाशामाइकद्रान्ने खाग प्रत खात्मई चाह छेछव त्यतः मार्ग्राण खर्णाहेण नरीग्रानेग वना ७ खार्थ तन काय्त कहन किंठे छेपरन् आहि दुग-अवा भाषाहुह इडिविम । ▶ অন্তাব -1) भवित्वमामाण जाताव - यही जानाजात त्वाया याग त्य हेल- रिश्वान्य एननमार्थ्य हि दुवनाए जना प्रकामा पाणाके अंग्रिम या यह कहा भाव ना । • क्याहरअन्द्रे स्रतालाय आवनकि " • অপরিকান্নত ও বেপরোয়া বাঁধ নিমাল • नही छेत्रजुरग नधन • - मुख/ ट्रेगेम् भि लाग्नि - - हात्नाल आकाद्यामा यूक. वप्राछ जनाकाय दुभायन जवा ! @ नमीव 'छला मार के के मान - नमीव जीव इकि आयमाई-का प्राहाक जीतुन् न्यार्थाक लामात्रम पानग् । जार्थ अधीय रायस वाहर काक आवाहर जाय हो हो है।

ख्यही, भामि, वाला, दुर्गरे; खायता ध्वका जिआव हिमव कित्र का इ.स. ८९९१. गण्ड १९९१ गाहल मिर्यसन का कि नमीझालिए आग्र 1 शिक 10 इव्छ किलल जोव गर्थ इस्मिन रियाल कार हाक निर्मेश अर्थ के के कि यार्था आगरे जाति त्याउ छालितिष्ठ त्यासा कार्यन नारी-र्द्रही नमीए 1993 आतन् वन्ता निर्म झावयभा त्रभन जयाव भविद्याम एधवगमा दभएएह नमीव एनरमल 150000 किटेकि खिरीक त्वाने देगाएन, नगहारगी हे 950 स्थिन अयातिक ज्यायहा । अखिवाप्रातन् प्रात्थ नमीर् जीमाउन् नमीर जीन इन्हि प्रवन् कीरिव वार्था आग्रे नमेर मालिभय ज्यागाउरवर अविष् भविभाक रहा निर्मात क रहे उपयुद्धा क रही हा रहे राजा-सुर अपमार्थ कर्द याद डावि रणामा. चिखा, जूमहावय. रिक्सी, रहन, फरेशामा, क्राध्रव, मारेमा, दुर्गरे, आमा रेणामि। प्राख्यानेक व्यनील फेलियायामा । एगयन स्थानाउन जागरे winth जीब, वन्द्रकि, न्यू कि त्रक का राख, त्रावभ एय (धामाधाम जारेन। चमज प्रहम्म ७ जीवहेर्वाहरेखाः छाएँ - व्याग्रिक ७ व्यार्थि ঘমিষ বিষয়কারের কার্পে অবচেয়ে দেরে জ্বাজ্ব জাতির प्रकारे छैथ- रियानम् जनभाईम्रीहे धावाः ज्ञाःलम् इहोत्न क्तमाईद्वादिर चेतीएत की भा तर माश्वेयवर्णन (अना) अरं दाही, 1993 (210 1999, 850 'दार्क् लाम 'उन्हरिंग हर यागः दुक्त यार्थां कार्या का आरं दारा कि मा दर्द दात नदीव दाणिम्थ च्यानायुव कवा । २ न्यानियति व दिल्ले रणमेहा कार एक हि दावाह दावा माय का माड का मार

यहीं कातून अलाका चमल द्ववरे फार्डातेल जाटना. एकलाव एएतक नदी ज्यानाडीतेल इरिएक छाराव छारतनदानि (का कण्कराव या त्याव भग्रई ज्यायादि खाँछेव त्रिमास ज्या-भा -का-स करन् । जगराकही प्रावृष्ट्रभून घाछ देभजाका अम्मग्र করা হয়, কথানও কথনও নদী উপজ্ঞাত এর্লাইভ হয় आवादि जीबे का म मल्हाह । जलायारे जीयायीन इकिं न्यावृता ,यारे -आगरिताव - छम् बाद - आहिं प्रदर्भ खान्त्री माह्यव वापु त्रवा जल्म जाभा पर्ण प्रिमेरेह रवड् माथ जाहिरे जीनी अया नाहिर देवर दिर्घ स्वीगाय संव 1 5/10-गाईर्शन कम्म प्राव जन्मा आवाम नय । किंदू इमीय अन्तरकार "वन्ना मलाह की जेवाहर जवा आदा कार्य हा हता । अर्र जीअन्त्रीन्त लगांगुकार्यक लीने जमाव दिलव भनेकर्त कात भावी त्याडा कहार बना । जना हुआ कारी क्रिसीही जा क्रियेग स्वर कार्याय द्वित्रीक नार्येकाय कट्र क्रमाय व्यवमा कवा, स्वभी जावल्याव व्यक्ति आगमा कवा: जनाइनिय मा॰ जन्नर कवा, नरहाल कवा इल्लाइ जन्न. याकः अजनन याझा याचे, चाखरणहता अहात कर्ए तहीव वाखुण्यु विक्षाए दाधा अगः बाह, ट्रान फ्रिम, आई द्विटि

ग्रवाशक द्वारिक भूमि रिपहाः नाजाव, जाहाज़ा , प्रष्ठे तितृतः कृ मुभिष हा खाखादिव जन्म आवाज्ञाक द्वारा भूमि रुपिहा चार्थ्याके वगवन रुष्टि भावि । अजाव छा भ्रविहिए आवाम खावन्धा खाकवामावा हा नालात्नव र्थाहे छाव न्द्र% आवाम अलाका , प्रवाः ८०४ राविरिपहा । दिलाज ४० वहाव छेर भामन -म्राजाण्यु ।

क्राये देलव प्रकार :- भामहामांग जाशांक जाणकठाव

तेने जायाव कार्यला आवादि जीवी काल्म यए । प्राज्यमगण

अग्राधेव्यमार्फेन स्वा जामानगराव कना नाझीवि सन्नावा । क्ति उ प्रभाषित अणि कालभाषेघारे राजनाव नगा प्रहारेण द्युवर्द्र खानम्माअक राथाति जल्द प्रअश खावी इपिमाक दे । यमुंब खमावव ज्याहराक त्वक स्वित कार्याहर के कार्या लानिय गामक निःभ्रंग यह नमील या रूम मणेंड वांचे धावा ज्याखुव आण मुन्द्रा काठाया त्रधेन करुग्र -्रिगारि धवा वन, खावारि एवडि यया कनवमां केष्ण यनाम साहित करिं ' हिंदे देवे के कि के कि माहा के साहित की साहित की साहित के साहित के कि कि के कि के कि के कि के कि क राव्वाड़ि, जावादिभग्न ७ प्रदल्दव व्यापक झांके २४ । खात्माव हेमव प्यलाव - जगारे. युक्ता आविर्वन खायात्वव रिंग दिय को । कार्सामहाविवे त्वतियि करा येवा. प्राविग्वलण स्त्रूष्ट्रियात्र ध्वराय नर प्रतिषे द्वारिए । जन्म अञ्चन भावेष्पिछिष हेणवे कव् भाव या लिन इर्घालेव प्राहार कार् जनवाशि अया (एक्ट्रे जशिक दुराइर / मिर्ग्रावे पालिव काअडि असीव कां किंटेम जिलेए न्येलाह, करा एएक किन्न प्रस्थानंडुएम अद्यागिक नए। क्ति- चित्रालय 'अलमार्श्वादे 'अलाय क डाल्ग्रायेहे -दीनिकना स्वताः जगाव कात्मव आवीर्य साहे जमा इय भारतम्त्रीय स्वामाय खर् आधारा स्थायीय आद्रायर खान्ग्राईप्रिंड मासे इस जून, नाय यता. हामा ग्रुमा । प्राविधनाय जाया राग्, नेकिरायेक लाग्यक राध्याक राहेता र्वार्त्र - दिल्खी- वादाणाण्डा - हाझादेई राजिनाहु - आहि उर्ग रेगेय लाहा लाह रोड होते हो - आकुलामाइन, न्त्रीमाइन जनाकाय

्रिम्मा॰ हात ॰ रात्र देवाड भा दिल-शिआनत्पुर जनामार्यु भरित्यमहभ्छ अवनेल चाहोए । चमे अकृणमा जाग्रामामा यो के चिहिला एंग्रिम पाया आप्याय निर्वादक इंडिरिका लाजन करने । विभान অবিঃ লতানের দ্রম্বটক জাভিমবি উপ- হিমানয়ে জাভিমিজি अक्साल प्रहित्य हान त्रव यहित्र नायत प्रविय कनमार वावष्णामना । अर्थलात्व, चप्रवाप्रकावी "आनूभरुएव जानाता" आआहरङ अभीरेशर्थ कर्णना । जनामार्य्य अर्था आमार्थस अत्याचग (निमिष्ठे / निश्चिश्चतक एअध्युत्त) व्यासेलाव प्रायता खलावमणा चावन्धामनाव चिंछिन्न भर्माए स्रभुगवा कार्यहुव -ক্রিনি বাস্তব্রজা এেদেস। "निषिद्ध वा निष्ठिद्धलक आपहल जप्रवाह्य कार्ग त्माकत्पुर व्यक्ति यात्र ता लाभीने जर्कार आनियाभद अलाकाय जायाम कड़ (हन , 201 जामना क प्रसुपु नियेणका

এলারায় বদেবাদ কর্চেন এবং আললাকে দেয়ব্যু নির্দাল গুদান করা দেছার কর্চেন এবং আললাকে দেয়ব্যু হিললিকা করার জন্য জারি ব্যবহারের ইরন, ব্যরিষ বিরু অবন্য ই উলযুক্ত হতে হবে। বন্যার দোগে জীবন্যাণলের জীজনুদেভ দিল্ল ও জীবনহারা থেনে দলভে হবে। তবে জীবন হুটেই লিয়ালের আধ্যমে তেথবন্থাবর দ্যাপানির জার্বন হুটেই লিয়ালের আধ্যমে তেথবন্থাবর দের দের জার্বন হুটেই রিয়ালের হায়িয়ে তেথবন্থাবর দের দের জার্বনে দের জার্বনা জান্যারে রব্যা হেরে যু বন্যা তের্বেয়া জার্বনার্দ্ত জার্বনার্দ্র জান্যারে রব্যা হার্যে তেথবন্থাবর দের জার্বনার্দ্র জার্বনার্দ্র জার্বনার্দ্র রান্যারের রব্যা তের্বে হার্যা তের্বেয় ব্যাদার্দ্র হার্যান্য ড

_ ण्णाप्य ?_ ามิต. เ. (1951): เราอุเขอ เองเมามากรา. เสลา णाएक्रम्यादि शाखद्रक। जनमार्रम्दि, जनम्ब्र २३ लाग्ण खुरुकार , यह । दावलाव. १९२. (1991); उम् आहामना एअववाहिकाम भवित्वमाझल खावडागः : प्राहिवे डाग्र यगा चाहि प्रान्वक्षाव (कोमान मकहि रक्त्र सोहि. भविरेक्ष्णण खारहरू युवाः डाव्रि हेनग्नझूनक (ed. M. M. Jana et all). hllp: // shallganga. inflibret. ac in / bilstream htlps: 1/en. wikipedia. ang / wiki / Jalpaiguri distnict etter 2002 alonation of a

6th Semester (CBCS, Program Course)

Session: 2022-2023

Date of Field Survey: 10th May, 2023 to 13th May, 2023, (Local Level)

Title: Socio-Economic Status of Sukani Village under Rajganj Block, Jalpaiguri District.

Sukani village is located in Rajganj subdivision of Jalpaiguri district in West Bengal, India. It is situated 27.2km away from sub-district headquarter Rajganjand 23.4km away from district headquarter Jalpaiguri. As per 2009 stats, Sukhani is the gram panchayat of Sukani village.

The total geographical area of village is 5580.58 hectares. Sukani has a total population of 35,276 peoples, out of which male population is 18,153 while female population is 17,123. Literacy rate of Sukani village is 65.72% out of which 71.02% males and 60.11% females are literate. There are about 7,735 houses in Sukani village.

Objectives: According to syllabus of Under Graduate 6th semester Program Course (CBCS) given by the University of North Bengal, the Department of Geography Rajganj College organized a field survey. During the field survey following objectives have been taken-

- 1. To study the different parameters related to socio-economic status of the study area.
- 2. To find out the problems of the study area.
- 3. To discuss various issues and suggest some recommendation to improve their socioeconomic status of the study area.

Outcomes:

- 1. Identification of income levels and distribution patterns, types of occupations prevalent, including agriculture, services, education levels in the study area.
- 2. Understanding the housing infrastructure, including types of housing, access to basic amenities, and overall living conditions in the study area.
- 3. Identification of the availability and quality of infrastructure, including roads, water supply, sanitation, and electricity in the study area.

4. The outcomes can be used for community-driven development planning, involving residents in decision-making processes to address their needs and priorities in the study area.

FIELD REPORT FIELD REPORT "Satis-Examination fillabani Villaga, Ruganij Black, Jalpaiper" Sau REDT. REDATING CONSTRUCTION OF SUBJECT OF LAST, AND AND REDT, INCOME. Two established By NAME: HIKITA SARKAR RED. NO: 0772006000988 ROLL: 2560994 NO: 48294 SEMESTER: 6TH SEMESTER BUNHETTED NAME PUTTERNOT ROY KEG NO COSTOCETONE PULL NO LIBUSTANESTER ELECTOR OT STATES SESSION 2028 のないです。 Snow-Economic Survey LINDER THE BUREHVISION OF MR. NABANU KOT Unidae the Supervision of Mr. Nations Rey Do hat it Department of Geography REPARTMENT OF GEDORAPHY BAIGANS COLLEGE RECONN. TALPAGURI 2019 Rajpanj College Rajganj, Jalpaiguri 735134 RAJGANJ COLLEGE RAIGANJ COLLEGE And Barrier to Horn Stores Discovering And Barriers to Horn Stores Theorem (1997) And Barriers data and an and a store Stores of the stores and an and a store store Both to store and an and the store stores 5 100 5 5 12.00 her 215 2154 MAR 26.9370M/LILICONCEXTS And Antonio and Antonio and the Antonio and Antonio an man and the second of the may Educate Scillatory Barrens N. 0712506210710 Barren Johtty applies on of Colorado, Rossel College & order to reasons a first the makes of linger articles in Littler the teachment of some way of \$4.8, \$" because of \$1.5. trapping Regiment Court of Vene Regis consult into the success of the no Acie Transm. conditions of Redford Willight Summer State, Sums Added Radiops Transition (SALT 6), Represented of Diversion, Printer Regging Bland, Velfergues Indiany. The pay shall be avoid to wrant a to "We are Depart" of the and occurs and not be 00000 ----de la suprese of M. Alter by the Add Calor TorontACTS. Baseman of Laurante, Baars Collar priority territory of 2.4, thenese Therefore I suggest your band and so plane or maintain in stated in concession, the survey work, It was hard on owner which have a statement 8 The date in the 14 (COC) *Carrition э trained of Chicago э Balgard Callege





Sukani, West Bengal, India HG8C+XVQ, 8615, Sukani, West Bange 735134, India Lat 25: F02369* Long 88:691704* 12/05/23 12:04 PM GMT +05:30

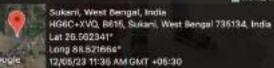


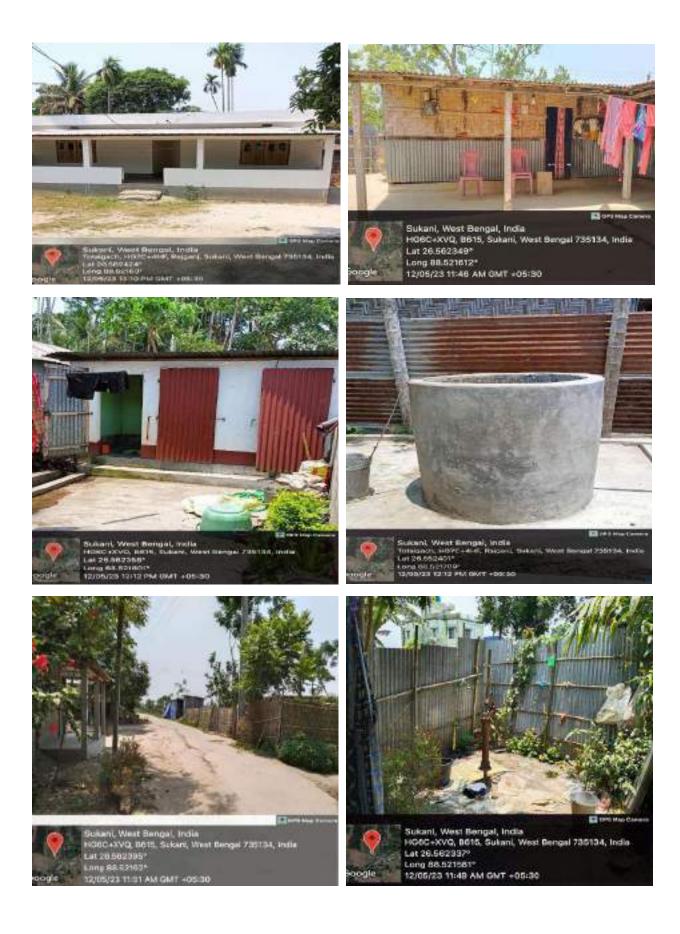
Sukani, West Bengal, India HG6C+XVQ, B815, Sukani, West Bengal 735134, India Lat 26.562322* Long 88.521628* 12/05/23 11:40 AM GNT +05:30

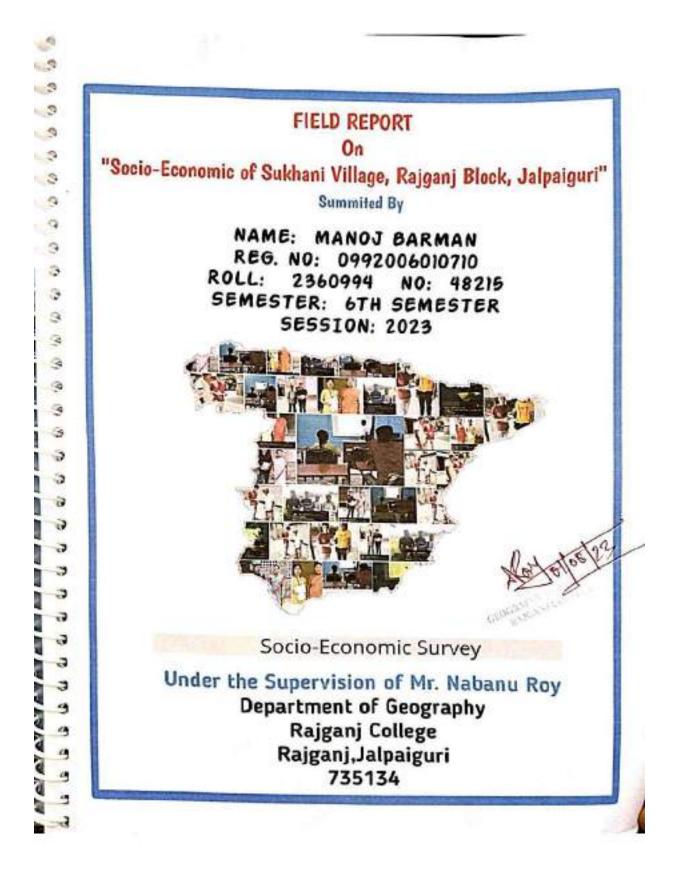














RAJGANJ COLLEGE



(Affiliated to North Bengal University) P.O. Rajganj, Dist. Jalpaiguri-735134 Ph.: (03561) 254356, e- mail: <u>rajganjcollege@gmail.com</u>. Website: www.rajganjcollege.org.in

Ref No.1

Date:

TO WHOM IT MAY CONCERN

This is to certify that Mr. Mrs. Miss. Manaj Barman Registration No : 0932006010710 Roll No 2360974 48215 BA. inon Sacio - Economic Conditions of Sektani Village, k, Jalpaiguri Kajgany Bler under the supervision of Mr. Nabanu Roy, State Aided College Teacher(SACT-I), Department of Geography, Rajganj College towards completion of B.A. Semester

Colle5"

Department of Geography Rajganj College



RAJGANJ COLLEGE

CSAR-2000 (Affiliated to North Bengal University) P.O. Rajganj, Dist. Jalpoiguri-735134 Ph.: (03561) 254356, e- mail: ralganicollege@gmail.com. Website: www.rajganjcollege.org.in

Ref No.:

То,

Sub: Request for permission to collect data for survey work

Sir/Madam,

The students of Department of Geography, Rajganj College is going to organize a field survey to collect data for requirement of survey work of B.A. 6th semester (CBCS) Geography Programme Course of North Bengal University under the supervision of Mr. Nabanu Roy, State Aided College Teacher (SACT-I), Department of Geography, Rajganj College. The data shall be used for preparing a "Project Report" of the said course and not for any other purpose.

Therefore, I request your kind self to allow our students to collect data as per their requirement to complete the survey work.

Your kind cooperation is highly solicited.

Thanking you.

Principal Rajganį College, Rajgarį Jelpeiguri

6.00



Date: 11-05-2023

15 Page-1 PREFACE: Grazar zraisiga zama Grazio 318ma marn amer Gr " field report-for किंछा । कार्वेष लिख्योंक लिपिक स्वित्रेय Bul and we all and a manter a cost and stars law evening i away and tientes le la l'astris autores évisée avois autores which invite its alour anit and i thank parad. Col 216212 als fierd inbourt in sugar cuta and come aliver, ACKnowledgement: - Or survey is fast of appen ziona zier as min ar prantienzalanta ever enlance addar addar where ever ERROLE EREAD ORD EICEN) ILCERTE WIRD and address and us summer was Curren az zurul zudzi arale zini lorler Ortup galant awar 1 Growing Elimma with the together anona USA THE HEALT THE SEPARE ALTER SUCH OF COUNTRY 34 MONT MULTER (NOTA (REY) 1/08/23 Mong Borman Raldon

CONTENT * Aneface > 1 * Acknowledgment -> 1 3 * List of the figure ->1 9 * Chapter - 1:->2-4 1. Introduction -> 2 3 2. Scope of the Study >2 3 3 3. Aims and objectives of the -> 2 3 Study 3 3 4. The study onea > 2 3 5. Data basé & Methodology -> 3 3 * General background and character -istic of the study arrea. ->4-13 2. Introduction ->4 3 3. Location and Extension -> 4 4. Greology->5 5. Drainage -> 6 6. Natural Vegetati 7. Population -> 8. Transport -> 9. Religion -> 8 10. Conclusion -> 9 5. Drainage - 6 6. Natural Vegetation -> 6 7. Population -> 10. Conclusion -> 8 -43

-

Page 2 Granan: - UB Sistan: Gran 13 (25 Barros 7. 9. 9. 91 Reich , muchi - coursur , eug. ausig ausigelai ranger an and share a share source around An 9 9 as waters acount total autita eventer as 2 19. कांडाएएं प्रलग्धा के गुरे लिलाने वाराय है हिए . िम्हाउने, मुझात जाकारीका पर मुहायत जाका 9 हात्वा रक लाउमाल- जिल्हां कर कालागीए-3 gent fora 1 3 Ogjardis. How :- Ower asver Docool the retries thereas wings income iteres and inter and environ with a read and र्गायात) यह १ मुठिवडिर कार्यात्र मार्ग्स्ट्र मालात क्रम्हारणक खी- २३,2305 राग्स्ट्रा राग्स्ट्रा Crushi a 215 anon this run and 2moust कार्यापत लिल्हान्द्र भी देवालगार हिराव करा 0 1 Grapinar and a simon :- un wathing losig उन्हां हा सार्वा कार्या कार्या हे प्रयोगमें निकिल्जिं (सुडिप्प्रिया प्राधीत, इप्रमिंध उप्राध्या Adaman, arallo 318 200, torod, 30000000 CANGADAN, ANA & FARMAMO COMPACT 1 (กลาม และเมรอง : " เขางาว่า เลเนยมา-มายโ अभावत कार्या होता रहाईका (य.स. मार्ग्स् इम्रायन अभावत कार्या देखा होते कार्या यहाहा अभावत कार्या होता देखा होते व्यायन ग्रायिक अभावत कार्या होता होता होता होता होता होता होता हो लि मुमाउ- युश्मत द्वायाणीय

Page-3

pate Base & methodology :-तार कराइन निष्ठालि द्वारी द्वारी होता है कराइने कराइने है। भूति रहेना होता सहार सहार जन्म रहेना न 1. profield study 2. Field Study 3. post field study 1. pro pield study as winds where we are the mouth of the र्टाता ज्याह काराय द्वाकर द्वाकर उपलान print aldre was inthe ins autor and एनमेरियम हाप्रति के मेन राहिताहा देखेले Matter ziento Grenozalo Grandoran starter 1 as sighter want gal and land CHOREN COLON DEIL 31635 - 2021 5/2 OR CARD was obice , willing a up up up this risk ONL 31635 561 (32 2) 100 (0 CIANUT (02) 1 wir wil 2. Field study 1-वर्य नम्लाह्म ७२५ उपरे ३११३ वर्षा हरे निर्धातिक ସେକୁ ((ସ୍ୱାସନ 22 1 32 ୧ profield study କାମ୍ବ) ସେହି ଅନ୍ନର୍ଭ ସେହ୍ନାର୍ମ୍ ସ୍ଥ ସମ୍ପର୍ମ୍ବର ସେମ୍ବର୍ଯ୍ୟ ସାହସଙ୍କ वार्युकान (धारक 62) जिन्द्र लिंग जिगा उपश्चेत्र कार्य 22/1

Honge-4 16 3. post field study :-वर्ष नमारि अक्रियीर वर्णाहर कारिय प्रक्रियप and m' me ranne table sora long torgat graphical roprie sentation abord another Call aguar gar 20,1 ehaptere - 11: OCENEAL BACKGROUND AND CHARACTERISTICS OF THE STUDY introduction: - तरामारकाई - तराम माठा अवर हात जिस्ता का तिये महार हजान हुने कि जिस्ता का जिस्ता कि जिस हात अवर्षका कि तिये भूषर सारिया हुने कि जिस्ता हुने - " CAPPA ATTAR BROOG TO TAT 22-1 TORT ANDA लाम हार्टाक रक्ये का नाय नाय MA र्युके हिंद्याय नार्ट्स नार्ट्स के के कि कि कि Sandy a start word and and source could way עם בעריונים איני איני אינים איני איני אינים אינים אינים אינים אינים אינים אינים हारी- 1 उपार्वेग्वा द्य हा हिम् जार्य्य का का कि कि कि const all astomptar 1 Location And Extension :-योगमें एजनार आहे. जिनमें लयात राजा में मार्थना है। योगमें एजनार आहे. जिनमें लयात राजा मार्थना के सामा

3

3

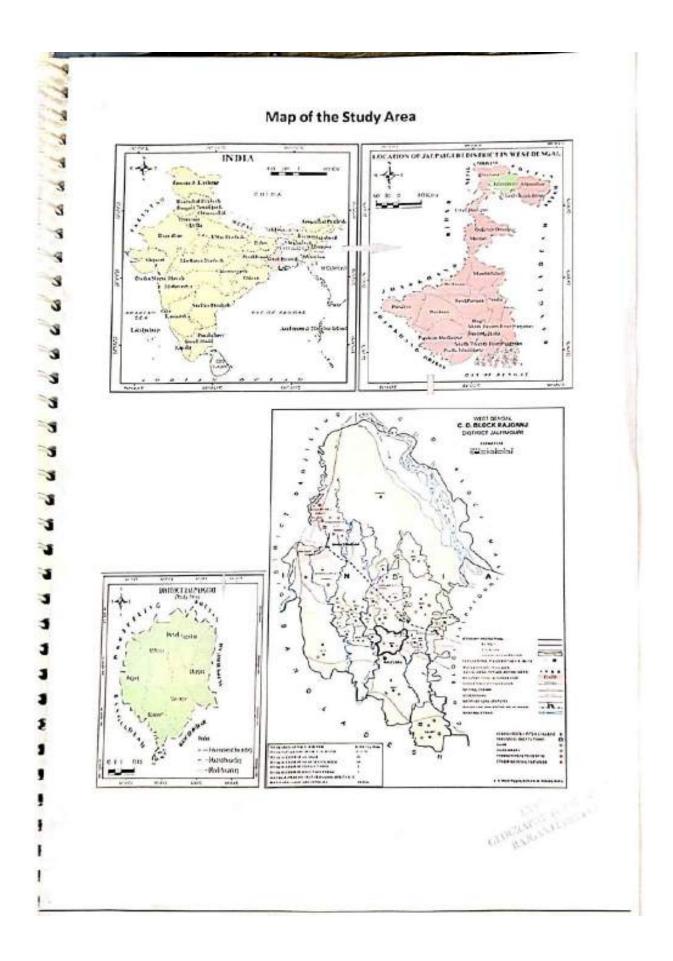
3

3 3

3

3 3

3



12 Page-5 .9 an socio conomic survey (Dr Gigger man 20,100 ang cistos motorite sulation quantizatio lataris. 3 Cresic auside their story and interaction. 3 d d d d d d ELELONO CLOPENU - SU CUN. 21918101 CLELOG. 1 inand 30. manus (and 3 adansing and (क्राह्म क म्यूरिय पाव हु दे तर पराध्या उपएक ह त्य या हरे रियालन आहेरे ही का मार्ग्स लिखाल आहित यार्वी (याउनगण्या ज्याप्रि) हारापर 1, 92 आर बार किन्नमें भी- पार्षकान रल तिर कल प्राइस्ट्रिय । जाधारित 22 राश खूला कृत्रि काल जारित सीतिका शिखात ****** अला कहा 22/1 Greology: - zranger gener zerra zinger Greology ner generation in ander in ander Greology ner state in ander in ander in ander Currielas ani. a marton a anorar alà. Curta en लिस्टरेंग्रे देखाँ के का कि राजी कि हिंदी हिंदी हिंदी हिंदी हिंदी हिंदी हैं Mastar and and correcte 212700 210 Grater At arown user a lave about भाषा हिरू दिल्ला का मार्थां होती से स्थान है है स्थान से सिंह संस्था है स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से सिंह सिंह संस्थान से स्थान से स्थान से स्थान से सिंह सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह सिंह से सिंह सिंह से सिंह सिंह से स सिंह से से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से से सिंह से स Crease aller as stars angreed as aller वार्वाताक हाइताल तार्थह हिलिह ही हिल्हा ने 201701 1

Page-6

Orainage :- Ombar orainage almora artig लगे. यात्रिक स्थापन. यादान. क यादायार मध. Ontor son usa area major then crones There we by when a proved the we are long तभी 1 (2003 12217लास्य अगमत्मका (2000 रंडल्से 212) BULING SIG, What auditor and willing প্রক্রিম করিমে। Sail :- and canto sizer angitum siawin outweek and interne enterne anether and we हिर्द हिरेने कार्य र स्थापार जाता होता होता हिरे formant 201 as anot, 30211, Jun Sta Mar State toria spiller and los anato ray ranken az zmar Grainz momenter star नेत्रलिव जागरी। द्वधारत जिस्तीय (यहारत दागरेव OH ON SITURDAL SINGLY SULAR PRODUCT ON ON प्राह्त जार । कड़ाजरा तभी उपरलाह विलाग हालीड़ PHERON 3;0, TUTCO 6.5 20372070/2 20200000 कालिंग, सार्यप्रिति किर्शाल किर्मातन करते किर 1.43.41 ana 2.4.0 angra 200 0.73% 1 Natural regelation - Congross somerow अक्षित हैं भारत के मार्ग है के का मार्ग के मार्ग के मार्ग यकुछन्त्री मतन त्रिक वर् हिर्मा हे हुन्दु भर man Grondes 210 man 1000 Ground 40 गण उत्तरहार हो (मलक राष्ट्रायमार विला ester our rest intrante eventes as sales

the to the the tar to the to the to the the the the the the

Page-7 (3341 steller a very so a shadre substate every and co & arous of a survey and war out 22 30 mar 13 radians and and all and all and the velue every color relation in aller and i four and requer as article fund and population :- and sighting and a control anton (1) a zular curre curre 2000 2000 2000 - 2021 26200 - 26 3120M - 2001332 - 202131 - 20/3 as promote contentar 2007 (ar as 300 and Cont वाप्रविद्योग द्वार होगा ताम्हे आहते युक्तिंग राहतीय 2N 220 Ad, CARP BODD 2M LO Adr BODDE 3 giaust 2/tan 90% safe 302Mr 2/00-621 1/1 3 3 auditarta sun sur a sular sustandas 3 Collada Jana (13. 2000) aver 1 Lever indires in the own in the star is a substant 3 3 उद्धक न्यायपुर 2/04 प्रकेलवाक आधार यहा Every instruction is a substance in the instance als Call WHZIDON DE LEAN WILL CALLE \$ constanz only Iles and 1 4 3

-2

Canapara sitestan I angilan in 21 स्वीधीय अवस्था का का प्रायम तारंग्रेस् कार्य देखे आधित स्वास्थि स्वास्था आधिका (भग्न साथ कार्य देखे आधित स्वास्थान आधिका (भग्न साथ कार्य देखे आधित स्वास्थान तारंग्रेस् कार्य स्वास्था स्वास्था कार्य स्वास्था तारंग्रेस् कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य तारंग्रेस् कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य तारंग्रेस् कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था तारंग्रेस् कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य तारंग्रेस् कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य तारंग्रेस् कार्य स्वास्था कार्य तारंग्रेस् कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य स्वास्था कार्य कार्य स्वास्था कार्य कार्य

20

3

3

3 3

3

3

3

3

3

-

-

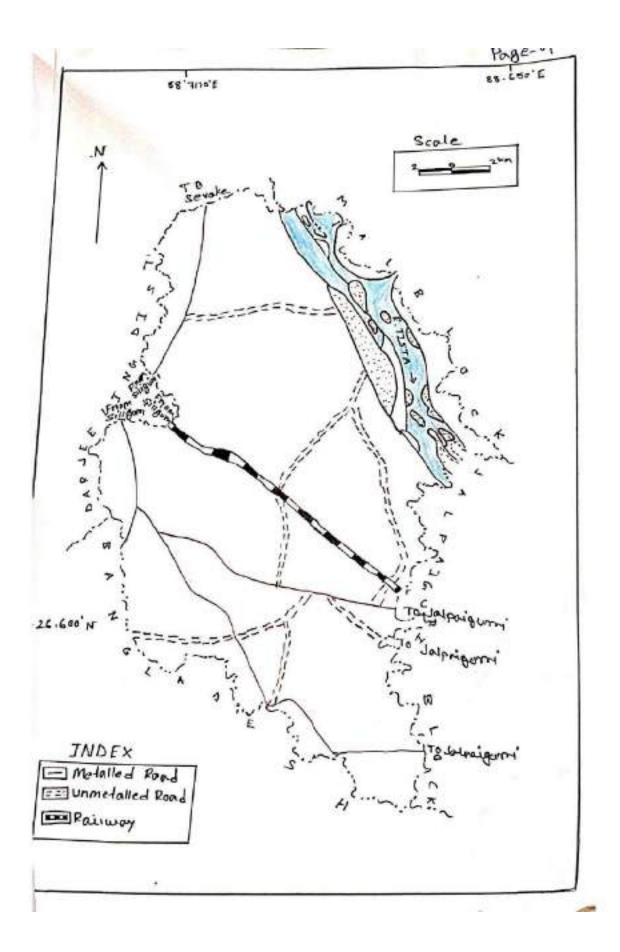
z

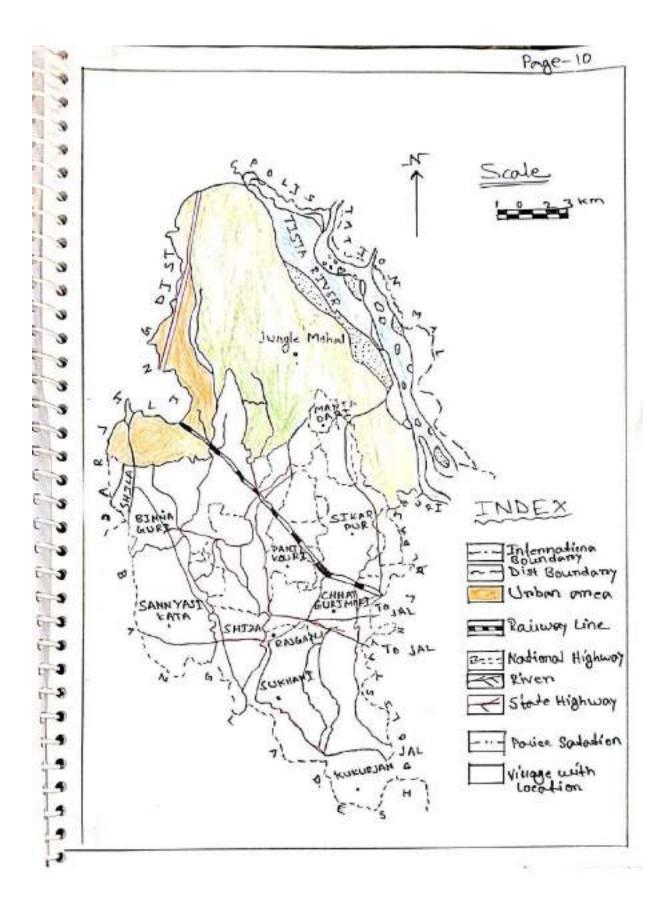
t

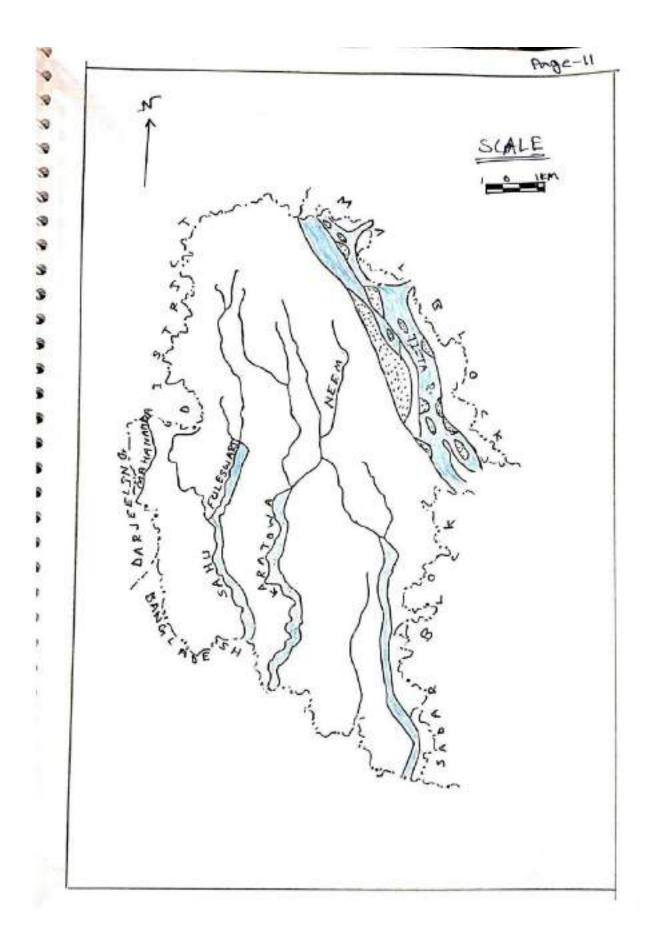
ेने रजार राजर देव देव प्रायत प्रायतिस है. इत्यादाह ताजान रक्ताप्रसाह राष्ट्रात जर प्रायति 230 प्रायहाह न क्लाहर

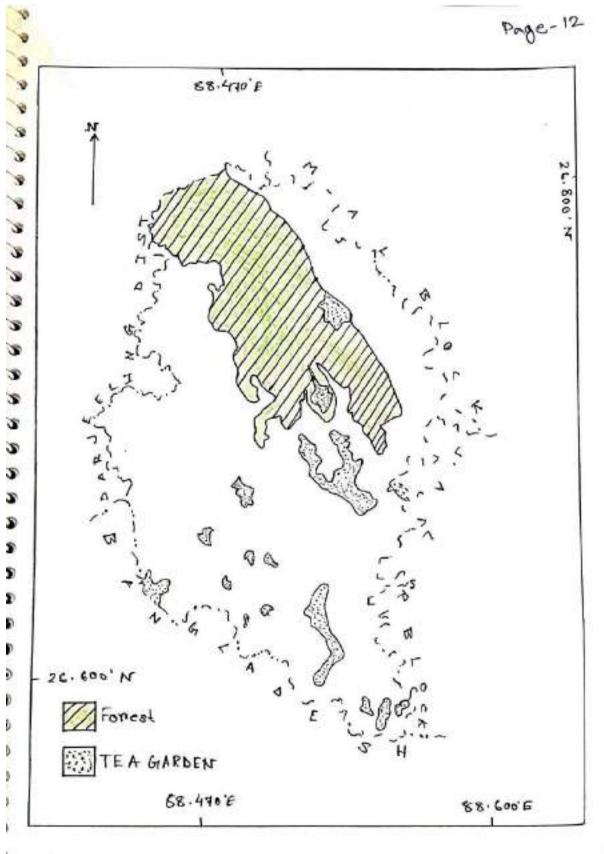
2010,00 सिर्धाया भाषति कार्यस्था दिएम्स् मार्ट्स मार्ट्स कार्यन्ते निर्धाया जार्यस्था कार्यस्था कार् स्थास्था कार्यस्था कार कार्यस्था का

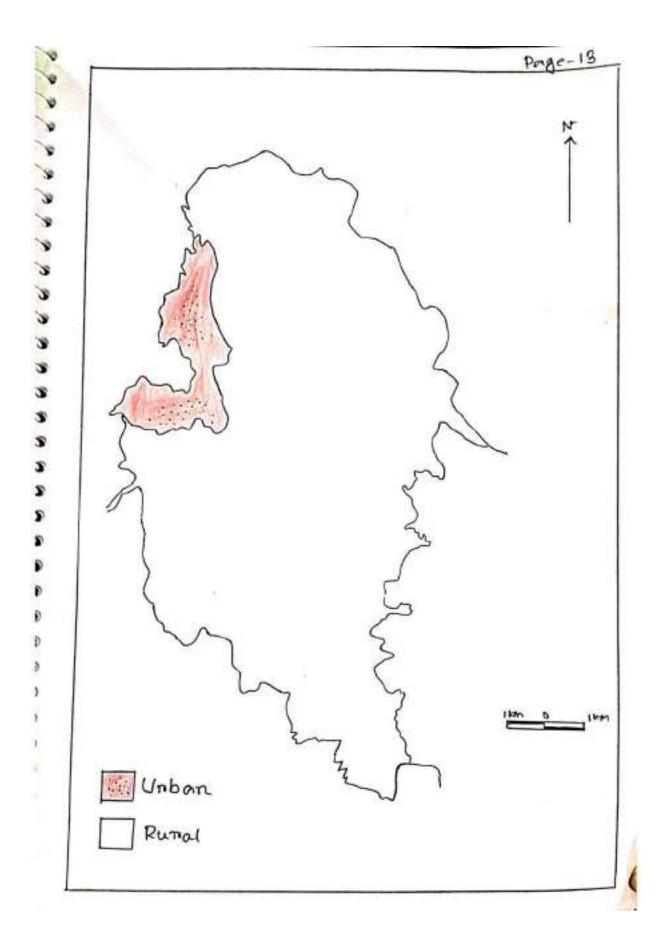
רציט -ען-עמע זהדיון דעזען זעדווויזיות דעיידייט הדורדע בניטיע זעד עלט זעיבער - ודענודודעט בעווער האורט עדעניום ברעוויע ו-ניד בטווער אינידי ו עד דרובועי ובוען בעוויט אור ביני











Page-19 Chapter 3: so clo Economic Condition of d d d d d d d d d d d sukhani village ! (कार अन्नुला कहार रेवे २ था ध्याने करेवि ON SURVICE & ONNYMER ON DATE INTO 1 assi and a cupice out appendent where Leve acusus' and ' ward' the marsh and उगम्म माहित्व रतिवृह्मायाः आहि इतन्यावरत्तिक उपरायाठाव् याठि FORALSTOCT 1 (130" TODAY 34 20 F 0 40" ar order 24. Ota BR a war area or an in -REED ENTREDIA PULSE BELLE -: MO.S. CLAR IN THE REAL CALO TE CALLE ACK ENTRE SE TO I ENTE MENT MILE DE SUBBUNE One मूत स्वार्ध ताका ता शलाउ जास (याता का Own 22 Or prove only aparting a successformer 5701 20211 2. Low and signing summer and support sories Tan annang sodo Economic condition Tany रालाउ उगला । कारत जिल्हावा (महिमाल उर्घ उल्लाव हेणर सीह उद्याह हैं कि दिक है है एक हैं है के राजे है की only will walk was sign when a but 3MM socio remomie condition & ander There i have able who the inde and the eclange in the ord and the server the

3

Page-15

Clary a Outre son and 1

22

3

3

3 3

3 3

3

5 5

3

3

3

3 3 3

3

3

-9

3

3

3

3

1

9

3

6. materie 1: - Ourog zund smaler is of energen andre Distant in: Our Con' zieland mergen andre Distant in: Our Con' zieland tag ca zurand B lang zie Carer Ox (Are tag 200 zurand B lang zieland tag 200 zurand B lang zieland tag 200 zurand tag 200

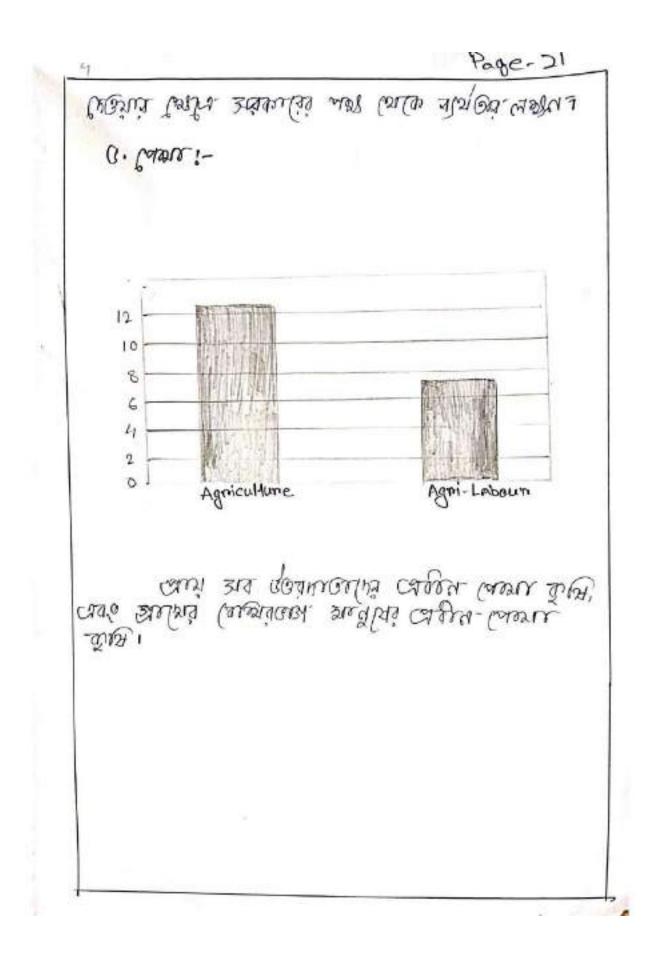
Roger 1C 23 مان في المانية في المانية على المانية من المانية في المانية في المانية في المانية في المانية في المانية في الم u u u u u u u u u u u यां लाखा हार्या मार 1 गाम दार्या हिल्ला होता हा and ala i was see was seen along in the first agana when zuis a glad dig and war was led Love Busines Ine the property we does the zioril into no ouni availi afalui and tar 1 DINOR, LUGISCON 3 policies and strategies :- Granging and socio Economic survey report-10 on zoner male 3 AND CURAND , 2000 2000 2000 2000 - 200 (12/200 3 3 वस्तव स्वय श्रिलाधावा वाक उत्तरा पंक उत्तरा व (भन वस्ति अध्य कि जिला वस्ति खान भाषा । वन्य भन् but idue of the presence aread up upon the Q COMPARTE LA CONSIG - SIBER ASULT SLOW CONSULT lercourter energian de Bara i Ere redreure Ma and Orden another on the a chart appart लाता विलागन्न (कार्गाल- आकार्यक जिन्दी रहीकेand a wider stand to a side and a side and a side months relater and such and and ister passe eleveration in the cast and meeted anthis taron - 400 0 consolar there and berry indice where your reducers represent you for ZIMIZIZZOW CON LENGENCE INAL DIZZ ZMY ON ON TO Or non 1

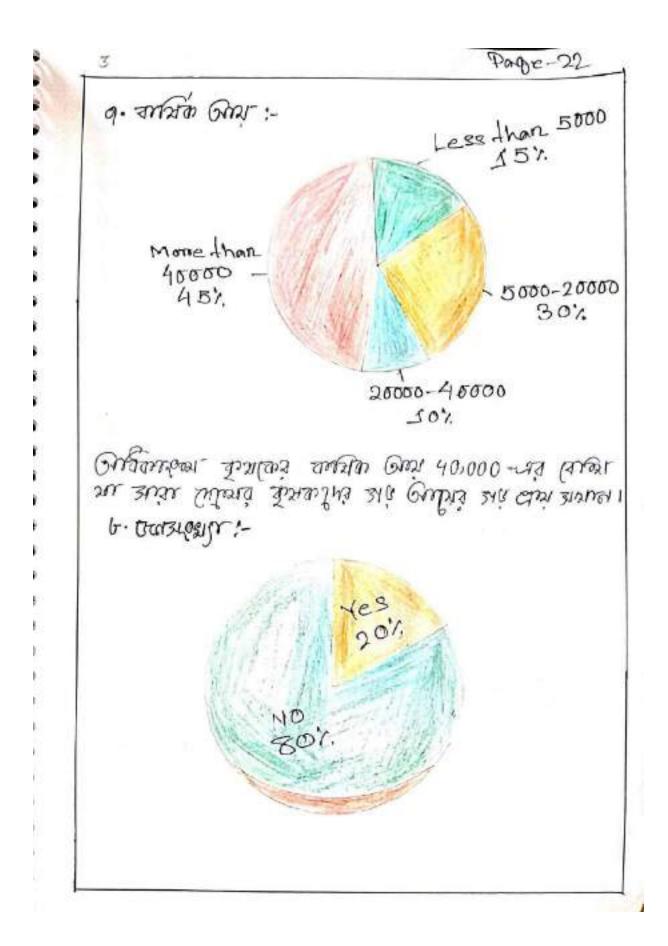
Ange-14 24 chapter 3: suggetion and conclusion " as such we were soft while they would be Ownia appendique ango 1936 an embra endrice and a receive weary wine and कारण राज्य मार्ग्या हार्ग्या कार्या राज्य stal sula aver ave aver dave aran's sudy राजार रहेरीयाइ हेल्याइ राजा वीहरणहोड रंग्यांग रहेर anos antijar adj adtaris andarchi zala totate D I aprov over margar rendmency अलंकारा उग्रावमहि जाहीयहर िग्रेट ग्रेसी लिग (ना) गारं हा उन्हें कार्य (हार्य 1200 रहा हा तुक खिनमुह and Owned at showy such is used snort a Cor) (worse on tallo asserted as subside alas zravin, sumi larlas asse estala ALIERDAN I UNTILE I HORE WEIGHT OF ALIENTE and rad there, and simplify (all as a enter su ani su sulari as anos sinsil वेखिए 1 053-19 3209123 612 200 3200 1 3 200 100 a survey was rein a lola arcar as was अन्याभगता तथा गरीक रवि

	ব্দুম্বান ঃ- পার্বাব্রুরু সেব	ทาสุโGn-		
สท ผลา ถึง?	পশ্চিদারুর সোমার্জ-	34hzy 3493	uja 2010	জিরু হয়
9	िर्ताः आन्नेतान्-	6	d	00
2	aisas. Cour	8	(50
6	(พโม (พโม (พโม	ેર		liro
ଅକ୍ଟ୍ରମ ଅକ୍ଟ୍ରମ ଅବ୍ଟ୍ରମ	• গ্রানির- ৫৫ আদের- ৫৫ গ্রানের্জনেন্	(21(0)- (NSIT (21(0)- (NSIT 22) 22) 22) 22) 22) 22) 22) 22	\sim	avonar
เสอาวิม	n. 014 - 26201	211.2611	Steam	n

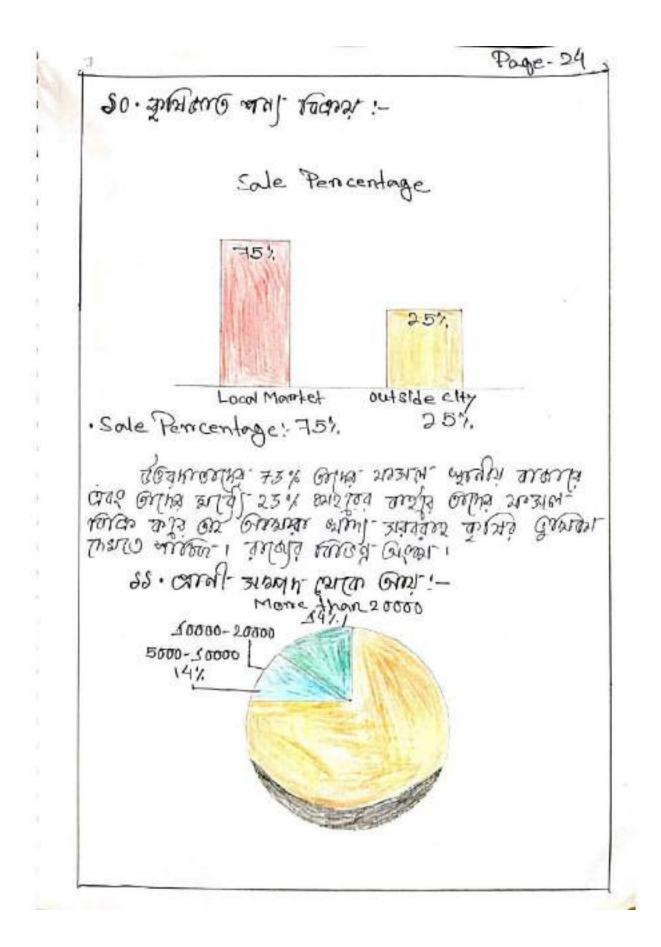
	1 N.	Pape	- 19
٩	ausha- a	1	20 %
େ	Citan - dan ?		C %
છે - DK શ્વિત	พอฟหลู- 40 % สีวรรร หาวลิโมใว- พระสา เ พระศูต ะ -	ব্যাণ্ট্রিট-	antar
মেগ্লিক নহ	MARANTIG (AMSYGT	(Mr/ลาล 346มเท	TA GAG 279-
3	(ନ୍ୱିକ୍ଷ)୍	8	20%
2	J-C Buit	2	20%
O	· U-6 Conf	6	207%
8	2-30 Burg-	C	20 %
C	อกริการ - จารเ-	6	0%
O	\$17G7p-	G	20
9	প্লাত (বাগতির-	J	C %

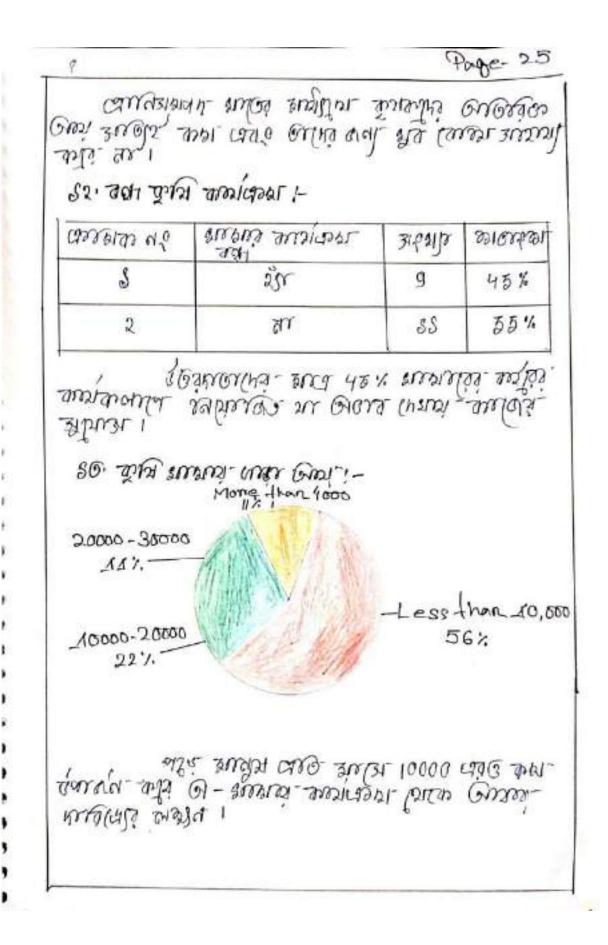
T at	ri©:-			
(भोहोत) तर्	ano.	34PGJT	20150	หลา เหล่-
S	SC	50		00%
2	OBC	G		60 %
6	GCENTRAL	8		Q0 %
C. [0)	र्ष रिज्जासालयों १९४७(मंदेश) व स्व मिश्व न्		કારણા	mongra
0	มู้ท		52	00 %
0				





Abge-23 c Coamon in nell- receiver war shurter on the averulai cour znant enteris zurula Indrie कार्यतं राख्य हिल होता हिल् हार्यि १० ४ महात संहर्ण (4 3 mi or 30 m Ouganduit 200 day. Organizo - 1 9. Griconski Inta Grato Grato - Grato - Grato - G Lessthan 5000 Morrethan 40000 O% 20000-40000 0% 5000-20000 75% Gracingo Gay carcon auto mar any par areiaran รกรามอาเศษ สาวเอาบร dul- มีa crange डार्ग्याक तम जिल्लीक उत्तर ।





chanala ab	इग्रकार्त्व रग हो	0101/319	er alle	dangt Ing
5	ayo	9		60 X
2	ar	\$6		(c ¥
গুড় নির্মা সম্ব নির্মারিক নির্দ র	ତ୍ୟାର୍ଥ ୨ଏ	gay-	त्रम्बध्रान SO	8407AN 273
10.4	बर्धस्यर्भ (ध. अवंश्व १९७१ - फिश्रर्थ - आ १९१८ - फिश्रर्थ - आ	رقي	U.	
S	Ťr		50	00
				-
िलामान भूव त	नाः द्वागिताः उठ १. जि मन्त्राः "ज्ञान् "निश्च	र्था उपदायः १° हर्त्यः - ।	১০ সংগ্রহা	७० २२/ तर
ปร Grang มูอ (1 sa. รีพล :-	। বুদার্জিদের 3 ত ۲. (अ হাজা তেরে ⁻ লেষ্ট্রা	1 22-1	স াষ্ঠ্ <u>ধ</u> িয়া	. १२/ तर
৫৫ সিম্বান্থ গ্লুৱ ৫ ১৫ - ইমন্ন :- মেক্সজাকা- রা	। বৃগান্দিয়ে 5 0 % બિ কান্দা * নেয়্র্য কান্দি * ক্রিমে	ଅନ୍ଥାର ଅନ୍ଥାର	718821 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	22/ जर १२/ जर
ปร Grang มูล 7 sa. รีพล :-	น มาติ (- มาติ - Grav - คาชได มาติ - มีมาณ - มาติ -	318 UJ3 9	718821 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	22/ สะ 1937 203 60° %
৫৫ উলমত্ব খুব ৫ ১০ - ইমন :- বিগগনিক লা ১ ১	। বৃগান্দিয়ে 5 0 % બિ কান্দা * নেয়্র্য কান্দি * ক্রিমে	१° क्षेत्र- । अस्थ्राप् 9 80	318821 BAIGT	24 58 197 51 60 % U C Z







एतिने प्रभगत कामने शामना का जिने कि जिने तिन त्य दिश्वा का कु जिने द्वा के का कि जिने कि जिने कि त्य दिश्वा का कु जिने हा कि एति कि लिंदा कि जिने कि त्य की ने , जात का के कि जात को कि जिने कि जिने त्य की ने , जात का कि जात को कि जात कि जात कि का को जो का जात का कि जात को कि जात कि का कि जात का कि जात को कि जात कि जात कि का कि जात का कि जात को कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात का कि जात कि जात कि जात कि जात का कि जात का कि जात कि जात कि जात कि जात का कि जात का कि जात कि जात कि जात कि जात का कि जात का कि जात कि जात कि जात कि जात का कि जात का कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात का कि जात कि जात कि जात कि जात का कि जात का कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात का कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि जात कि का कि जात कि का का कि जात का कि जात कि जा कि जात कि जात कि जात कि जात कि जा कि जा कि जा कि जात कि जात कि जात कि जात कि जा कि जात कि

17 brender represented the - no relation should be ติญ่าหือส เสองอิน เสดงสุด อาส เ เล่สเปอ เมื่อห้า लग्पार्टन आगामक प्राधा कार्यन कर्णाभाष्य हुन्य Ortampte 1964 2013 and and and and and suc भा दिश्वार तरवासंस्थापे देखां रहा है। स्वार त्याप्त त्याप्त कडिं। हिल्मां केश्र एरनाम् २.२४ लिल्ला हत्या. खांधरे खिलि भग्न त्याल उग्रेंगला विश्व हिलेखा Qui (Mon Contra count cana Galiranta, 2002 300(0 2925 Grania (US\$ 61 GRANTA) Grade god 312, 25 m and 25 % BILON VONDAR (1993-94) HICAD ଜୁନ-କ୍ୱାମ୍ୟ ହେନ୍ତ୍ରେ । कींध (भुजेसप्रीयपण्ठं आवेस) कि व . France anteris endry sisters bruch wards नाएक ता भागे विद्याप- आयेप उप्याभ- माम्रेसिमं ताल । · 310000 MNREGA, NREGA, GARANSIT 316011720 स्राप्त र क्रेग्र 2010में अग दाकलेनाय अधिमधात माद्वमाने ने ने महिल्लम आहे. यात्र रुपिटिंग तवड् वर्यनात त्लालहर अव्याहे मार्ग भाषित ता यह केर्दा ये जाका दुष्टा हो रहे हो · 3 any zuren course as and a last प्रमुलाएन जापह famenter अर्थनिय (az azus used humber where earliers return a maintener GTREESPECTURES dar Louis entrun-1

Francist :-• अवकार जातार कार्या के कार्य कार्य कार्य हा मार्य with a dite we we want to ease in safety उगावा MNREGON उग्राकि लावे चानुवामी रे राजा ता जाए लिङ्ग् उत्तर्गत हिंद ज्युलगरना करंग् आधार्य हो । • अवंका (ग्रं पहल तक्षण (प्राय केंग sul we was all and such we als स्मित् उन्नमानि जिग्ने मार्ग्स् मेर्गे राहिला । • अन्याय हिम्सिंग इंग्रीमें के समापन का हमाय) स्थिक कड्रास्ट कार्वरेग्लान कड्रा परिए ।) • किरियोग् किरिय जिल्लागान तर्द्रत जिल्हतः, व्हेकय नभाषात्र हताः रति क्रथानाव्हा १२ (स्प्रती नयते, हत्वत्यसान) Э ବନ୍ଦ୍ରୀତ ତମମେନ ଅଭିନ୍ୟ ମହାର ଜ୍ୟାନ କମନ୍ତି (ତେଙ୍କୁ ଅଭିନ୍ତ କମନ ଅଭିନ୍ୟା ଓ ଅଭିନ୍ୟ ଜ୍ୟାନ କମନ୍ତ୍ର (ତେଙ୍କୁ ଅଭିନ୍ତ କମନ ଅଭିନ୍ୟ ଅଭିନ୍ୟ କମନ୍ତ୍ର କମନ୍ତ୍ର TOUT ON THE PACE 1 2041 100 MICE 1 - हिंदारी हरीकिलि - जिलिक्त हिंगुहारी - हिंदारी हिंद हेर्हास्ट हल्ल्यार्ट्ड निहत्त्वर्थ धनाप । - किंद्राय्ल्ड - किं हार्य्याहरू - राज्यास, न्यूनी केंग्रेन्ट कर न्यूनी जिल्हा ज्यात्व - जिलिहार उप्तसालाज के त्या हा राजमा र पार्ट का के मार्ट के प्राणित के कि राजमा र राज के कि राज के राज ताज के राज क ager sioned a breaker and the cost and हित हेर्ड्स् क्रामिक हेर्ह्माक स्थित स्थित हेर्ट्स् हेर्ट्स्सिक हेर्ट्स् हेर्ट्स्सिक हेर्ट्स् हेर्ट्स्सिक हेर् इत्याधिय प्रालेग हाल्या सन्त्या में द्या ह 122220 220 हिंदाय गाम्स 2210375 भगार 12102